▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 343 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 13-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

RERA REG. NO.: RAJ/P/2026/5154
www.rera.rajasthan.gov.in

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

बिंदायका, सिरसी रोड,
वैशाली नगर विस्तार, जयपुर

आवेदन की अंतिम तिथि
15 जुलाई 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
2 BHK फ्लैट	₹96,000	₹42.0 लाख*
1 RK फ्लैट	₹66,000	₹22.0 लाख*

V PARK

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए **1 लाख रुपये** तक की विशेष छूट*

मुख्यमंत्री जन आवास योजना – 3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत आवासीय योजना

विकासकर्ता:
JPRPARK
INFRA LLP

9785 701 701
9785 401 401

आवेदन हेतु SCAN करें
www.vparkcmjay.in

*Terms & Conditions Apply

आप ने पंजाब को वित्तीय संकट में धकेल दिया: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने रविवार को आरोप लगाया कि भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने लगातार कर्ज लेकर राज्य को आर्थिक संकट में धकेल दिया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा बार-बार लिए गए ऋण, राजस्व में मजबूत वृद्धि के उसके दावों के विपरीत हैं।

ढिल्लों ने एक बयान में पंजाब के वित्त विभाग की 10 जुलाई की अधिसूचना का हवाला दिया, जिसमें 7.55 प्रतिशत पंजाब 2033 बांडों के पुन: निर्गमन के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की घोषणा की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भले ही वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा अक्सर जीएसटी, वैट और उत्पाद शुल्क संग्रहण में बढ़ोतरी का ज़िक्र करते हैं, लेकिन सरकार का बार-बार बाजार से कर्ज लेना वित्तीय दबाव का संकेत देता है। ढिल्लों के अनुसार, आप सरकार ने 2022-23 में लगभग 24,000 करोड़ रुपये, 2023-24 में लगभग 28,000 करोड़ रुपये और 2024-25 में 34,201 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। उन्होंने दावा किया कि वित्त वर्ष 2025-26 में जनवरी तक, सरकार ने 49,900 करोड़ रुपये की योजनाबद्ध उधारी के मुकाबले पहले ही 20,770 करोड़ रुपये से ज़्यादा उधार ले लिया था तथा अब इसमें 1,000 करोड़ रुपये का और ऋण जोड़ लिया है।उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब का बकाया कर्ज 2022 के लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 4.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

बिहार के वैशाली जिले में जमीन विवाद को लेकर सैन्यकर्मी, उसके पिता की हत्या

वैशाली। बिहार के वैशाली जिले में रविवार को जमीन विवाद को लेकर एक सैन्यकर्मी और उसके पिता की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि दोनों की हत्या के पीछे कुछ रिश्तेदार हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह वारदात जिले के बिदुपुर थानाक्षेत्र में हुई। सदर के अनुभागीय पुलिस अधिकारी सुबोध कुमार ने कहा, रास्ते को लेकर कथित जमीन विवाद के चलते आरोपियों ने नारिक राय और उनके बेटे जितेंद्र कुमार (जो सैन्यकर्मी थे) को गोली मार दी। नारिक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जितेंद्र ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच से पता चला है कि एक परिवार के कुछ सदस्यों ने नारिक और जितेंद्र के घर को जाने वाला रास्ता कथित तौर पर रोक दिया था, जिसके कारण पिछले कुछ दिनों से बार-बार झगड़े हो रहे थे।कुमार ने कहा, शनिवार रात तनाव बढ़ गया, जिसके बाद पुलिस टीम ने दखल देकर स्थिति को सामान्य किया।

भाजपा गरीबों, वंचितों और दलितों की सेवा में विश्वास रखती है: गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गरीबों, वंचितों, शोषितों और दलितों की सेवा में विश्वास रखती है तथा इन वर्गों को आत्मसम्मान के साथ जीवन-यापन का अवसर देना पार्टी का मिशन है।

यहां महर्षि सुदर्शन वाल्मीकि वसाहत आवासीय परिसर के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने 'सफाई कामगारों' के कल्याण के लिए विशेष प्रयास करने को लेकर नागपुर महानगरपालिका और राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी गरीबों, वंचितों, शोषितों और दलितों की सेवा करना चाहती है तथा उन्हें भोजन, वस्त्र और आवास उपलब्ध कराना चाहती है। यह भाजपा का मिशन है कि वे आत्मसम्मान के साथ जीवन-यापन करें।''

उन्होंने कहा कि 11 साल पहले उन्होंने दोपहिया वाहन आधारित ऐप टैक्सी सेवा से जुड़ी एक फाइल को मंजूरी दी थी, जिससे करीब 3.5 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिन राज्यों में यह योजना शुरू नहीं हुई है, उनसे इसे शुरू करने का आग्रह किया जाएगा।

कृषि मंत्री चौहान ने हरित भविष्य के लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरित भविष्य के निर्माण के लिए देश में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान शुरू करने का रविवार को आह्वान किया है।

नयी दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित 'पर्यावरण संरक्षण संकल्प' और 'वृक्ष मित्र संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रत्येक परिवार को जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, बच्चों के जन्म और दिवंगत माता-पिता की स्मृति जैसे अवसरों पर पौधारोपण करना चाहिए। इससे हर व्यक्तिगत अवसर को 'वृक्ष उत्सव' में बदला जा सकता है।

उन्होंने प्रत्येक 'वृक्ष मित्र' से हर साल कम से कम एक पेड़ लगाने और पांच अन्य लोगों को इस अभियान से जोड़ने की अपील की। चौहान ने कहा कि प्रतिभागी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिबद्धता साझा करें, ताकि 12 अगस्त को 'हरियाली अमावस्या' तक देशभर में एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा सके।

मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को एक संगठित जन अभियान का स्वरूप देने के लिए व्यापक कार्ययोजना भी जारी की। यह योजना वृक्ष मित्रों के साथ हुई बातचीत और उनके सुझावों के आधार पर तैयार की गई है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने राष्ट्रीय, राज्य, जिला, खंड और ग्राम स्तर पर 'वृक्ष मित्र परिवार' समितियों के गठन का प्रस्ताव रखा, ताकि इस अभियान को संस्थागत ढांचा मिल सके। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी योजना और कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत होने वाले कार्यक्रमों में पौधा रोपण को शामिल किए जाने की बात कही।

बस की टिकट बिक्री की रकम लूटने का आरोपी 36 साल बाद गिरफ्तार

कोझिकोड। तिरुवंबाडी में केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस की टिकट बिक्री से कमाई गई रकम लूटने के मामले में 36 वर्ष से फरार 71 वर्षीय व्यक्ति को कर्नाटक के मैसुरु से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मलप्पुरम जिले के अरिकोड का निवासी, आरोपी वी.के. जोस मैसुरु के नरसिम्हाराजा इलाके में कथित तौर पर शिवकुमार नाम से रह रहा था। पुलिस ने बताया कि जोस ने 1990 में तिरुवंबाडी और कुंबारा के बीच चलने वाली केएसआरटीसी बस के कंडक्टर पर कथित तौर पर बंदूक तानकर वह रकम लूट ली थी जो टिकट ब्रिकी से एकत्र हुई थी।इस संबंध में तिरुवंबाडी पुलिस ने लूट का मामला दर्ज किया था। इसके बाद अदालत ने उसकी गिरफ्तारी का आदेश जारी किया। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद जोस मैसुरु भाग गया था, जहां उसने अपनी पहचान बदल ली, विवाह किया और परिवार बसा लिया। पुलिस ने बताया कि 8 जुलाई को जोस और उसकी पत्नी के बीच घरेलू विवाद के बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

वित्तीय सेवाओं, डेटा सेंटर और क्लाउड पर बड़ा दांव लगाएगी एयरटेल

10 साल में 3.3 लाख करोड़ का निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा है कि कंपनी ने पिछले एक दशक में डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण में 3.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और अब वृद्धि के अगले चरण के लिए वित्तीय सेवाओं, डेटा केंद्रों और क्लाउड सेवाओं पर बड़ा दांव लगा रही है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में मित्तल ने कहा कि एयरटेल ने नए विकास क्षेत्रों को तैयार करने के लिए सोच-समझकर कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से कंपनी को मजबूत परिणाम मिले हैं और अब उसे वित्तीय सेवाएं, डेटा केंद्र और एयरटेल क्लाउड क्षेत्र में आगे बढ़ने की अच्छी संभावनाएं दिख रही हैं। उन्होंने कहा कि भारती एयरटेल ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) एयरटेल मनी में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। वहीं, कंपनी की डेटा सेंटर इकाई नेक्स्ट्रा ने एक गीगावाट (जीडब्ल्यू) क्षमता विकसित करने की योजना के तहत हाल में एक अरब डॉलर (करीब 9,500 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। मित्तल ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एयरटेल मनी को गैर-जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में काम करने की मंजूरी दे दी है।

अहमदाबाद में रथयात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, 31 हजार से अधिक पुलिसकर्मी होंगे तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 16 जुलाई को होने वाली 149वीं जगन्नाथ रथयात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की तैयारियों की शनिवार को समीक्षा की। रथयात्रा के दौरान शहर में सुरक्षा के लिए 31,000 से अधिक पुलिसकर्मियों और 65 ड्रोन की तैनाती की जाएगी।

गांधीनगर में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पटेल ने अधिकारियों को राज्यभर में निकलने वाली 230 से अधिक शोभायात्राओं का सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। गुजरात के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल वार्षिक जगन्नाथ रथयात्रा शहर के कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरेगी, जिनमें जमालपुर, कालूपुर, शाहपुर और दरियापुर शामिल हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि अहमदाबाद की छह छोटी रथयात्राओं सहित सभी यात्राएं सुरक्षित माहौल में संपन्न हों और श्रद्धालु बिना किसी अप्रिय घटना के इसमें भाग ले सकें। उन्होंने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) को भी निर्देश दिया कि यात्रा मार्ग पर स्थित जर्जर इमारतों और ढांचों के आसपास या उनके ऊपर एकत्र होकर लोग यात्रा न देखें, ताकि किसी दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि शहर में रथयात्रा के दौरान सुरक्षा के लिए 31,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।

'बाबरी मस्जिद' के लिए जुटाए गए चंदे का हिसाब मांगने की हिम्मत क्यों नहीं करता विपक्ष : पाठक

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगातार निशाना साध रहे विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए रविवार को कहा कि ये पार्टियां अयोध्या के धन्नीपुर में प्रस्तावित 'बाबरी मस्जिद' के लिए जुटाए गए चंदे का हिसाब मांगने की हिम्मत क्यों नहीं करतीं।

पाठक ने बाराबंकी स्थित जिला अस्पताल में पौधरोपण अभियान की शुरुआत करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, विपक्ष धन्नीपुर में प्रस्तावित 'बाबरी मस्जिद' के लिए जुटाए गए चंदे का हिसाब मांगने की हिम्मत क्यों नहीं करता? उच्चतम न्यायालय ने नवंबर 2019 में अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में फैसला सुनाते हुए हिंदुओं को विवादित स्थल पर राम मंदिर का निर्माण कराने और मुसलमानों को मस्जिद बनाने के लिए अयोध्या में ही किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन देने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत के फैसले के बाद राज्य सरकार ने अयोध्या नगर से करीब 25 किलोमीटर दूर धन्नीपुर गांव में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को जमीन दी थी। हालांकि, छह साल से अधिक समय गुजर जाने के बावजूद उस पर मस्जिद के निर्माण की अभी तक शुरुआत नहीं हुई है। पाठक ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि कुछ लोग पहले जनता को गुमराह करते रहे और अब सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मुंबई के अस्पताल में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से मुलाकात की, जो कंधे की सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। अस्पताल में शनिवार को कल्याण के दाहिने कंधे की मांसपेशी की सर्जरी की गई थी।

नायडू लगभग एक घंटे तक अस्पताल में रहे। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय उपमुख्यमंत्री श्री पवन कल्याण गारू के पूरी तरह और जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं और इस समय उन्हें हिम्मत मिले, ऐसी कामना करता हूं।

झारखंड में डेढ़ करोड़ रुपये के रत्नों की तस्करी का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के रत्नों की तस्करी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शुभम कुमार खंडेलवाल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को जमशेदपुर से करीब 90 किलोमीटर दूर बहरागोड़ा बस स्टैंड से विनय पात्र (50), सिद्धेश्वर कालिंदी (45) और स्नेहाशीष मंगराज (44) को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस को देखकर तीनों भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। खंडेलवाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के पन्ना रत्न के टुकड़े बरामद किए गए।

एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोध सामान्य सर्जरी को भी चुनौतीपूर्ण बना रहा: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। एंटीबायोटिक समेत अन्य रोगाणुरोधी दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) अब आम सर्जरी को भी चुनौतीपूर्ण बना रहा है। शल्य चिकित्सकों का कहना है कि असरदार एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर होने से सुरक्षित सर्जरी के क्षेत्र में दशकों की तरक्की पर पानी फिर सकता है और सर्जरी के बाद जानलेवा संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। शल्य चिकित्सकों का कहना है कि सर्जरी वाली जगह पर संक्रमण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक बहुत जरूरी हैं, लेकिन इनके अंधाधुंध इस्तेमाल से बैक्टीरिया आदि में एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोध बढ़ा है। इससे अस्पतालों को एंटीबायोटिक के इस्तेमाल को लेकर सख़्त नियम अपनाने पड़ रहे हैं और लंबे समय तक एंटीबायोटिक देने के बजाय संक्रमण से बचाव के तरीकों पर अधिक जोर देना पड़ रहा है। सीताराम भरतिया अनुसंधान एवं विज्ञान संस्थान में जनरल सर्जरी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमरचंद बजाज ने कहा कि आधुनिक सर्जरी जितनी सर्जिकल स्किल पर निर्भर करती है, उतनी ही असरदार एंटीबायोटिक्स पर भी।

बजाज ने कहा, चाहे अपेंडेक्टॉमी हो, पित्ताशय की सर्जरी हो या पेट की कोई बड़ी सर्जरी, प्रतिरोधक बैक्टीरिया की वजह से संक्रमण का इलाज नहीं हो पाने से मुश्किलें काफ़ी बढ़ सकती हैं और मरीज को अधिक समय तक अस्पताल में रहना पड़ सकता है।

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नॉट वाली टाई न पहनें विद्यार्थी : बाल अधिकार आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने एक परामर्श जारी कर सुझाव दिया है कि सभी स्कूल अपने गणवेष में नॉट वाली टाई को अनिवार्य रूप से शामिल न करें ताकि अलग-अलग गतिविधियों के दौरान बच्चों के गले में टाई फंसने या दम घुटने जैसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

एचएससीपीसीआर की प्रमुख तृप्ति श्योराण द्वारा 10 जुलाई को जारी परामर्श के अनुसार, आयोग ने देश के अलग-अलग हिस्सों से सामने आई कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का संज्ञान लिया है। इन घटनाओं में स्कूल जाने वाले बच्चों की जान चली गई; ऐसा तब हुआ जब खेलते समय या रोजमर्रा की गतिविधियों के दौरान उनकी पारंपरिक टाई झूलों, दीवार पर लगे हुक और दूसरी चीजों में फंस गई और अनजाने में उनका गला घुट गया। आयोग ने कहा ऐसी घटनाएं, भले ही अनजाने में होती हैं लेकिन उन्हें रोका जा सकता है। इसमें कहा गया है, आम टाई, जिन्हें मुख्य रूप से विद्यालय गणवेष के तौर पर अनिवार्य रूप से पहना जाता है, उनसे गला घुटने की आशंका होती है जिसे टाला जा सकता है। श्योराण ने कहा जब सुरक्षित विकल्प मौजूद हैं, तो सिर्फ गणवेष की परंपरा के लिए बच्चों को ऐसे जोखिमों में डालना ठीक नहीं है। आयोग ने स्कूलों को सलाह दी है कि वे 'क्लिप-ऑन' (अलग हो सकने योग्य) या वेल्क्रो (आसानी से अलग होने वाली) टाई अपनाएं, जिन्हें आपात स्थिति में तुरंत अलग किया जा सकता है।

वियतनाम नौका हादसा

नायडू ने प्रभावित पर्यटकों की शीघ्र स्वदेश वापसी के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वियतनाम में हुए नौका हादसे के पीड़ितों को दी जा रही सहायता की रविवार को समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित पर्यटकों की शीघ्र स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया।

वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास शनिवार को एक नौका (स्पीडबोट) पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। नौका में 32 भारतीय पर्यटकों और स्थानीय चालक दल के चार सदस्यों सहित कुल 36 लोग सवार थे। इनमें से 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। बचाए गए लोगों में से दो घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। विज्ञप्ति के मुताबिक नायडू ने कहा, अधिकारियों को प्रभावित पर्यटकों की शीघ्र स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि हादसे में घायल गेले किशोर का वियतनाम के एक सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास ने हादसे में जान गंवाने वालों के पार्थिव शरीर उनके गृह नगरों तक पहुंचाने की व्यवस्था के लिए एक एजेंसी नियुक्त की है। पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपने और उन्हें भारत भेजने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया कि हादसे में बचाए गए पर्यटकों को रविवार को उनके गृह नगरों तक पहुंचाने की व्यवस्था कर दी गई।

'इंडिया' गठबंधन मानसून सत्र में राम मंदिर और नीट पेपर लीक के मुद्दे उठाएगा : सुधाकर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने रविवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा मामले और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगा। साथ ही, वे विपक्षी दलों में विभाजन करके दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की भाजपा की कथित कोशिशों का भी विरोध करेंगे।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक होना है। रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बिहार के बक्सर से सांसद सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी संख्या बल हासिल करने की कोशिश में विपक्षी दलों को कमजोर करने की राजनीतिक रणनीति अपना रही है। सिंह ने कहा, भाजपा देश भर में विपक्षी दलों में विभाजन करके दो-तिहाई बहुमत हासिल करना चाहती है। 'इंडिया' गठबंधन एकजुट होकर इसका विरोध करेगा। हम हर अहम मुद्दे को उठाएंगे जिसमें राम मंदिर चढ़ावा चोरी और पेपर लीक से लेकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तक शामिल है। विपक्षी सांसदों के हालिया पाला बदलने और आगे भी ऐसा होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि यह चिंता पूरे 'इंडिया' गठबंधन की है। राजद नेता ने आरोप लगाया, पहले, पाला बदलना कानून के दायरे में होता था। आज ऐसा लगता है कि उन सुरक्षा उपायों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। हर विपक्षी दल चिंतित है क्योंकि सत्ताधारी पार्टी अपने दम पर जरूरी संख्या बल न होने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। सिंह ने आरोप लगाया कि विपक्ष को कमजोर करने की भाजपा की कोशिशें संविधान को कमजोर करने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा हैं।

RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 343 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 13-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 राजस्थान में प्रसूताओं की मौत चिंताजनक : गहलोत

6 कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

7 'एक पेड़ मां के नाम' अब जन आंदोलन बन चुका है : शाह

फर्स्ट टेक

गूगल की पूर्व कार्यकारी शीतल व्रजेसियन की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका में जॉर्जिया के कॉब काउंटी में भारतीय मूल की अमेरिकी महिला और गूगल की पूर्व कार्यकारी शीतल व्रजेसियन की उनके पति ने कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। लॉरेल क्रीक ट्रेल में इस जोड़े के घर पर हुई गोलीबारी में व्रजेसियन का बेटा जेसन घायल हो गया था।आरोपी, 56 वर्षीय किर्क बी व्रजेसियन को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में गिरफ़्तार किया गया। कॉब काउंटी पुलिस विभाग के अनुसार, अधिकारियों को शाम आठ बजे से कुछ देर पहले स्मर्ना में इस दंपति के घर पर गोली चलने की सूचना मिली। उसने कहा कि पुलिस को घर के अंदर 57 वर्षीय शीतल व्रजेसियन घायल मिलीं, जिन्हें कई गोलियां लगी थीं। बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

भारत ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद के लिए एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की

नयी दिल्ली। भारत ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के सम्मान में सोमवार को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें दूरदर्शी नेता बताया। शेख हमद का रविवार सुबह 74 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया और ऊर्जा से समृद्ध इस खाड़ी देश में सामाजिक-आर्थिक विकास लाने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने भारत-कतर संबंधों को गहरा करने में भी अहम भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा, वे एक दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने कतर को विकास और समृद्धि की बुलंदियों तक पहुंचाया।

ओडिशा में यौन उत्पीड़न से तंग आकर खुद को आग लगाने वाली युवती की मौत

ब्रह्मपुर (ओडिशा)।ओडिशा में पिता द्वारा वर्षों तक यौन उत्पीड़न किए जाने से तंग आकर खुद को कथित तौर पर आग लगाने वाली 22 वर्षीय युवती ने रविवार को भुवनेश्वर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। विवाहित युवती ने बृहस्पतिवार को गंजाम जिले में अपनी ससुराल के मकान में खुद को कथित तौर पर आग लगाई, जिसकी वजह से वह करीब 75 प्रतिश तक जल गई।एक हाईस्कूल में शिक्षक लड़की के पिता को वर्षों तक, यहां तक कि शादी हो जाने के बावजूद उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एएसपी (ब्रह्मपुर) आलोक जेना ने कहा, उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

13-07-2026 सूर्यास्त 6:50 बजे | 14-07-2026 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE	NSE
77,569.39	24,206.90
(+827.57)	(+244.11)

सोना	चांदी
15,108 रु.	230,800 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

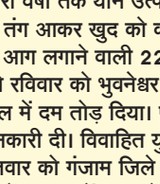

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय भ्रष्ट देवा

भ्रष्टों तुम खूब फलो-फूलो,
है लोकतंत्र की बलिहारी।
सत्ता पर हो जाओ काबिज,
बन करके सब पर भारी।
कानून तुम्हारी मुट्ठी में,
हो अल्प सजा के व्यवहारी।
मरने तक तारीखें बदलो,
तुम मजे करो बन अवतारी।।

मोदी कूटनीतिक उपलब्धियां लेकर लौटे, राहुल विदेश में 'साजिश' रच रहे होंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधी संभवतः यह साजिश रच रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहे अच्छे कामों में बाधा कैसे डाली जाए। सांसद पात्रा ने कहा, आप सोच रहे होंगे कि 'राहुल बाबा' कहां हैं।

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया विदेश यात्राओं की उपलब्धियों का रविवार को रिपोर्ट कार्ड पेश किया और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री देश के लिए 'जीत' हासिल करके लौटे हैं, जबकि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अपनी विदेश यात्रा पर बंद कमरों में साजिश रच रहे होंगे। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की उस टिप्पणी का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने मोदी की कई नीतियों को अपनाया है। पात्रा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने मोदी का थोड़ा भी अनुसरण किया होता तो वह 99 चुनाव नहीं हारते।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में आए बदलाव को स्वीकार करने संबंधी न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की टिप्पणी का हवाला देते हुए कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। पात्रा ने कहा, जरा सोचिए कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने क्या कहा... जबकि भारत में कांग्रेस पार्टी इसे स्वीकार करने से इनकार करती है। मुझे लगता है कि हमारे विपक्ष को भी कुछ सीखना चाहिए।

उन्होंने मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्राओं की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर गए और राहुल गांधी भी। प्रधानमंत्री देश के लिए जीत लेकर लौटे, जबकि राहुल गांधी बंद कमरों में निश्चित रूप से साजिश रच रहे होंगे। पात्रा ने आरोप लगाया कि गांधी संभवतः यह साजिश रच रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहे अच्छे कामों में बाधा कैसे डाली जाए। सांसद पात्रा ने कहा, आप सोच रहे होंगे कि 'राहुल बाबा' कहां हैं। पता लगाने की कोशिश कीजिए। प्रयागराज में 10 जुलाई को होने वाला उनका एक कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। पटना में भी एक कार्यक्रम था, वह भी स्थगित हो गया।

सुरक्षा

जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने पर, रविवार को मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संभालते सुरक्षाकर्मी।

राधाकृष्णन ने शबरिमला मंदिर के तन्त्री पद से तझामोन परिवार को हटाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के. एस. राधाकृष्णन ने रविवार को मांग की कि तझामोन परिवार को शबरिमला मंदिर के तंत्री (मुख्य पुजारी) के वंशानुगत पद से हटा दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परिवार ने मंदिर की गरिमा और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है।

यह मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब खबरों में दावा किया गया है कि शबरिमला के तंत्री कंडारारु राजीवरु ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) को पत्र लिखकर मलयालम माह चिंगम से अपने पुत्र ब्रह्मदत्तन को अगला तंत्री नियुक्त करने का अनुरोध किया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष राधाकृष्णन ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में कहा कि केवल वंशानुगत उत्तराधिकार के आधार पर देवस्वओम बोर्ड उस व्यक्ति की सिफारिश मानने के लिए बाध्य नहीं है, जो स्वयं आपराधिक मामले का सामना कर रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि शबरिमला मंदिर और अयप्पा के करोड़ों श्रद्धालुओं को जितना अपमान और दुख तझामोन परिवार ने पहुंचाया है, उतना किसी अन्य परिवार ने नहीं पहुंचाया। राधाकृष्णन ने तझामोन परिवार के एक अन्य सदस्य तथा शबरिमला के पूर्व तंत्री कंडारारु मोहनरु के खिलाफ भी गंभीर आरोप लगाए और उनके विरुद्ध अतीत में दर्ज एक मामले का उल्लेख किया।

राम मंदिर 'चढ़ावा चोरी' मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच हो : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा ने रविवार को राम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी मामले की उच्चतम न्यायालय के मौजूदा या सेवानिवृत न्यायाधीश की निगरानी में स्वतंत्र रूप से जांच कराने की मांग की। सिरसा (हरियाणा) की सांसद सैलजा ने कहा कि लोगों की आस्था और चढ़ावे से जुड़े सभी सवालों का जवाब पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। एक बयान में, पार्टी महासचिव और कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपने कई बड़े वादे पूरे करने में नाकाम रही है, जिनमें किसानों की आय दोगुनी करना, हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करना और 2022 तक सभी को आवास उपलब्ध कराना जैसे वादे शामिल हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वादों और हकीकत के बीच का अंतर साफ हो गया है। उन्होंने सरकार से जनता के भरोसे, जनता के पैसे और राष्ट्र हित से जुड़े मामलों में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग की। सैलजा ने नोटबंदी की स्वतंत्र रूप से समीक्षा कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि इसे काला धन, भ्रष्टाचार और जाली नोटों पर प्रहार के तौर पर पेश किया गया था, लेकिन इससे छोटे कारोबारियों, मज़दूरों और आम नागरिकों को परेशानी हुई।

बेंगलूरु में महिला के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में फ्लिपकार्ट का प्रतिनिधि गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक महिला के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के एक प्रतिनिधि को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर मराठाहल्ली थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 75, 79 और 329(2) के तहत अपराध संख्या 345/2026 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने कहा कि आरोपी विजय मल्लिकार्जुन कामत को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह मामला तब सार्वजनिक रूप से चर्चा में आया जब सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के एक उपयोगकर्ता ने आरोप लगाया कि फ्लिपकार्ट का एक प्रतिनिधि (डिलीवरी कर्मी) एक महिला के शौचालय में जबरन घुस गया और और उसके सामने अश्लील हरकत की।

उपयोगकर्ता ने 'एक्स' पर बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए लिखा, ''एक बेहद परेशान करने वाली घटना हुई है, जिसमें फ्लिपकार्ट का एक प्रतिनिधि एक महिला के शौचालय में जबरन घुस गया और उसके सामने अपने निजी अंग का प्रदर्शन किया। यह बेहद गंभीर है। महिलाएं अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं हैं। इस मामले में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।''

इस पोस्ट का संज्ञान लेते हुए बेंगलुरु शहर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के लिए शिकायत को व्हाइटफील्ड के पुलिस उपायुक्त को भेज दिया। बाद में व्हाइटफील्ड प्रभाग के पुलिस उपायुक्त ने पुष्टि की कि मराठाहल्ली थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। व्हाइटफील्ड प्रभाग के पुलिस उपायुक्त ने 'एक्स' पर कहा, ''मारथहल्ली थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।'' पुलिस ने कहा कि इस मामले की विस्तृत जांच जारी है।

'मैं आत्महत्या कर लूंगा'

जब मनमोहन सिंह के शब्दों ने पूर्व सीईसी कुरैशी को कर दिया था स्तब्ध

नयी दिल्ली। ''मैं आत्महत्या कर लूंगा...'', ये शब्द 2012 में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह ने तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एस वाई कुरैशी से तब कहे थे, जब निर्वाचन आयोग के कामकाज को लेकर कुछ मंत्रियों की ''बेतुकी बयानबाजी'' से आहत कुरैशी ने अपनी नाराजगी प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाई थी। सिंह ने कुरैशी से यह भी कहा था कि निर्वाचन आयोग केवल ''भारत का गौरव'' नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र की ''आत्मा'' है और ''अगर हमने इसे खो दिया तो हम सबकुछ खो देंगे।'' इस दिलचस्प बातचीत का जिक्र कुरैशी ने अपनी आगामी पुस्तक 'इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर' में किया है। अपनी किताब में पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मनमोहन सिंह को ऐसे नेता के रूप में याद किया है, जिनके लिए संवैधानिक मर्यादा केवल भाषणों तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके आचरण और सोच का अभिन्न हिस्सा थी। पुस्तक में कुरैशी के जीवन की कई अहम घटनाओं का उल्लेख है। इनमें वर्ष 2012 में निर्वाचन आयोग द्वारा पंजाब के नशा संकट का संज्ञान लेना, वह समझौता ज्ञापन (एमओयू) जिससे डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क की भौंहें चढ़ गईं और टीआरपी का इस्तेमाल कर दूरदर्शन को कमजोर करने तथा उसके विज्ञापन राजस्व को दूसरी तरफ मोड़ने की बात शामिल है।

'प्रधानमंत्री के संरक्षण में हुआ आस्था से धोखा': राम मंदिर चढ़ावा विवाद में कांग्रेस का हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चढ़ावे में कथित हेराफेरी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए और कहा कि देश आस्था से विश्वासघात के लिए भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कभी माफ नहीं करेगा। कांग्रेस महासचिव (प्रभारी संचार) जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र जांच, फॉरेंसिक ऑडिट, जवाबदेही तय करना और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पार्टी की मांगों को फिर से दोहराया।

रमेश ने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, चंदा चोरी: आस्था से धोखा। भगवान श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण का खुलासा हुए आज एक माह बीत चुका है, पर हर चीज का श्रेय लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी जवाबदेही के नाम पर मौन मोदी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के नाम पर राजनीति करने वालों की पोल अब हर रोज नए तथ्यों से खुल रही है। रमेश ने कहा कि चढ़ावा चोरी के मामले में रोजाना लाखों रुपये गायब होने की बात मामले को रफा-दफा करने के लिए बनाए गए विशेष जांच दल (एसआईटी) को भी माननी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया, भगवान श्री राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण कुछ कर्मचारियों तक सीमित नहीं हो सकता, पर फिर भी यह राम द्रोही सरकार असली गुनाहगारों को बचाने में लगी है।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस पहले से ही कहती आई है कि एसआईटी, प्राथमिकी और इस्तीफे बस देशवासियों की आंखों में धूल झोंकने के प्रयास हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मामले को दबाने की सरकारी कोशिशों से स्पष्ट हो गया है कि चंपत राय और अन्य मंदिर न्यासियों के पास कुछ गहरे राज हैं, जिसके कारण मोदी सरकार उनपर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है और उनका दबदबा आज भी क़ायम है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की निम्नलिखित मांग हैं: उच्चतम न्यायालय की देखरेख में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच, फॉरेंसिक ऑडिट, जवाबदेही तय हो, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

रमेश ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री जी, देश जानना चाहता है: यह चुप्पी क्यों? मोदी जी के संरक्षण में भाजपा-आरएसएस द्वारा सुनियोजित तरीके से आस्था के नाम पर किए जा रहे इस विश्वासघात के लिए देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। कांग्रेस ने शनिवार को चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में प्रधानमंत्री मोदी को घेरने की कोशिश की। पार्टी ने इस मुद्दे पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए और कहा कि वह संसद के आगामी सत्र में उनसे जवाब मांगेगी।

कांग्रेस नेताओं ने देश भर में 26 जगहों पर संवाददाता सम्मेलन किये। उन्होंने दावा किया कि चढ़ावे में हेराफेरी की एसआईटी रिपोर्ट बड़ी समस्या का बस एक छोटा सा हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से बड़े लोग आजादी से घूम रहे हैं, उससे पता चलता है कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का पूरा संरक्षण और आशीर्वाद हासिल है। कांग्रेस और दूसरे विरोधी दलों के हमलों के बीच, भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि चढ़ावा चोरी के मामले में दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

होर्मुज में जहाज पर हमले के बाद अमेरिका का ईरान पर प्रहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर हमले के जवाब में रविवार तड़के ईरान पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन, कतर, कुवैत, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निशाना बनाकर हमले किए। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक कंटेनर जहाज पर हमला किया, जिससे उसमें आग लग गयी और उसके चालक दल को जहाज छोड़ना पड़ा। ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को हमेशा के लिए खत्म करने के वास्ते आगे की बातचीत में यह जलडमरूमध्य मुख्य अड़चन बन गया है।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने ईरान के करीब 140 ठिकानों पर हवाई हमले करने के बाद अपनी हालिया सैन्य कार्रवाई का यह चरण पूरा कर लिया है। उसने कहा कि निशाना बनाए गए ठिकानों में मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपण स्थल, गोला-बारूद के भंडार, संचार उपकरण और अन्य केंद्र शामिल थे। सेंटकॉम ने बताया कि इन हमलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले असैन्य नाविकों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमला करने की ईरान की क्षमता को लगातार कमजोर किया है। फारस की खाड़ी में नई झड़पें तब हुई हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान युद्ध को लेकर एक अंतरिम समझौता खत्म हो गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईरान ने गलत विकल्प चुना। अब उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। ईरान की संसद के अध्यक्ष और प्रमुख वार्ताकारों में शामिल

मोहम्मद बाघेर कलीबाफ ने इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, एकतरफा समझौतों का दौर अब खत्म हो चुका है। हमने आपसे कहा थाअपना वादा निभाइए, वरना कीमत चुकाइए। अब हकीकत दरवाजे पर दस्तक दे रही है। अमेरिका ने पिछले एक सप्ताह में ईरान को निशाना बनाकर तीन दौर के हवाई हमले किए हैं। ये हमले ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में किए गए। ये जहाज ऐसे मार्ग का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसका उद्देश्य ईरान के क्षेत्रीय जल से बचते हुए जलडमरूमध्य से गुजरना था।

इसके जवाब में तेहरान ने क्षेत्र के उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य बल तैनात हैं। साथ ही ईरान ने जोर देकर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर केवल उसका नियंत्रण होना चाहिए और वहां से गुजरने वाले जहाजों से वह संभावित रूप से शुल्क भी वसूल सकता है। कतर की सेना ने एक बयान में कहा कि उसने ईरान की ओर से किए गए हमलों को नाकाम कर दिया है। वहीं, पड़ोसी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं।

कतर के गृह मंत्रालय ने बताया कि ईरानी हमलों को नाकाम किए जाने के दौरान गिरे मलबे और छर्रों की चपेट में आने से एक बच्चे समेत तीन लोग घायल हो गए। कुवैत की सेना ने भी कहा कि वह देश को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों को नाकाम कर रही है। इस बीच, फारस की खाड़ी में स्थित द्वीपीय देश बहरीन में रविवार को तीसरी बार मिसाइल हमले की चेतावनी के सायरन बजे। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय स्थित है। वहीं, ओमान के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित कुछ ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए। यह क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य के किनारे स्थित है। ओमान की सरकारी समाचार एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। ईरान ने इससे पहले भी ओमान पर हमले करने का दावा किया था, लेकिन ओमान ने उन हमलों की पुष्टि नहीं की थी।

यह हमला ऐसे वक्त हुआ, जब दोनों देशों ने शनिवार को बातचीत की थी। संयुक्त अरब अमीरात में किन स्थानों को निशाना बनाया गया, यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका। ईरान के हालिया दौर के हमलों में अब तक उसे निशाना नहीं बनाया गया था।

एनीकट में डूबने से चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में रविवार को एनीकट में कथित तौर पर डूबने से तीन भाई-बहन समेत एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा धंबोला थाना क्षेत्र के बड़ी गांव में हुआ, जहां एक ही परिवार के छह युवक-युवतियां स्कूल मैदान के पास स्थित एनीकट में नहाने गए थे। पुलिस के मुताबिक, एनीकट में नहाने के दौरान हीना (24), उसका भाई प्रतीक (20), बहन इशिता (15) और चचेरा भाई रौनक (20) (जो गुजरात के पालनपुर का निवासी था) कथित तौर पर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

पुलिस के अनुसार, चारों की चीख-पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने का प्रयास किया।

पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने राजवीर और जयसिंह नामक दो युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण हीना, प्रतीक, इशिता और रौनक की डूबने से मौत हो गई। उसने बताया कि बाद में ग्रामीणों की मदद से चारों शव को बाहर निकालकर सिमलवाड़ा अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि बचाए गए युवकों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में अगले एक सप्ताह कमजोर रहेगा मानसून : मौसम विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में अगले एक सप्ताह तक मानसून कमजोर रहने और राज्यभर में अधिकतर स्थानों पर मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। जयपुर मौसम केंद्र ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में केवल कुछ स्थानों पर तेज हवा चली और हल्की बारिश दर्ज की गई। बूंदी जिले के तालेड़ा में सर्वाधिक पांच मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं, श्रीगंगानगर राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा जहां अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस सिरोही में दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि, एक कमजोर मौसम प्रणाली के प्रभाव से 14 और 15 जुलाई को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। विभाग के अनुसार, पूर्वी राजस्थान में भी अगले पांच से छह दिनों तक अधिकांश स्थानों पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, 13 से 15 जुलाई के बीच शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है।

विभाग ने पश्चिमी राजस्थान में धूलभरी तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी है। विभाग के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों के दौरान जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चलने की प्रबल संभावना है।

जैसलमेर में रायमाला के जंगल में लगी भीषण आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। जैसलमेर के सीमावर्ती इलाके के पास जंगल में भीषण आग लग जाने से पूरे

क्षेत्र में हड़कंप मच गया जिसके बाद आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रायमाला गांव में अचानक आग लग गई और तेज हवाओं के कारण कुछ ही समय में इसने बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को जानकारी दी जिसके बाद रामगढ़ क्षेत्र से दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। सूचना मिलने पर जैसलमेर से भी अग्निशमन दल घटनास्थल पर पहुंच गया। इसके अलावा, नागरिक सुरक्षा का एक दल आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहा है। स्थानीय ग्रामीण भी प्रशासन के साथ मिलकर आग को और फैलने से रोकने में सहयोग कर रहे हैं। हालांकि, तेज हवाओं के कारण राहत कार्य में कठिनाई आ रही है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जन-विश्वास को और मजबूत करने वाला हो प्रत्येक प्रयास व नवाचार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ धरातल पर उतारने से ही सुशासन स्थापित होता है। इसके लिए सक्षम, प्रेरित और संतुष्ट कार्मिक व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार ने इसी सोच के अनुरूप कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही, सचिवालय की प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, ताकि कार्मिकों का मनोबल बढ़ने के साथ शासन व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके।

मुख्यमंत्री का रविवार को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी एवं सचिवालय कर्मचारी संघ ने पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं नए पदों के सृजन को लेकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिक सर्वोपरि विजन को राज्य सरकार शासन की कार्य-संस्कृति का आधार बनाकर आगे बढ़ा रही है। सचिवालय सरकार की नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी निर्णयों का केंद्र है। ऐसे में हमारा हर निर्णय और प्रयास प्रदेश की 8 करोड़ जनता के विश्वास को और मजबूत करने वाला होना चाहिए। क्योंकि, प्रत्येक फाइल के पीछे किसी नागरिक की आशा, किसी किसान की उम्मीद, किसी युवा का भविष्य और किसी परिवार का विश्वास जुड़ा होता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी गुड गवर्नेंस की धुरी और विकसित राजस्थान-2047 के महत्वपूर्ण सारथी है। ऐसे में हमारी सरकार कर्मचारी हित में फैसले लेते हुए समयबद्ध और नियमित पदोन्नति दे रही है। इसी क्रम में कार्मिकों को पदोन्नति के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 और 2026-27 में निर्धारित अनुभव में 2 वर्ष की छूट दी गई है। इसमें प्रावधान किया गया है कि जिन कार्मिकों ने पिछले तीन वर्ष में इस छूट का लाभ नहीं लिया है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा, इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन किए जाएंगे। इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का अवसर प्राप्त होगा तथा उनकी लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाएं पूरी होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भी केंद्र सरकार के अनुरूप ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही, 30 जून को सेवानिवृत्त राज्य कार्मिकों को नोशनल वेतन वृद्धि के अनुरूप पेंशन का प्रावधान किया किया गया है। वहीं, पेंशनर के 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता एवं कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आरजीएचएस के तहत महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को अपने माता-पिता या सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प भी दिया गया है।

उन्होंने कहा कि वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, जो 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। वहीं, राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने से वे कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के अन्य महत्वपूर्ण फैसलों में एक वर्ष के भीतर कर्मचारी द्वारा पद त्यागने की स्थिति में उस पद को प्रतीक्षा सूची से भरा जाना एवं सेवा अवधि में स्थायी अक्षमता होने पर कार्मिक के आश्रित को भी अनुकंपा नियुक्ति दिया जाना शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। जिसके तहत अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में पुत्रवधू को भी शामिल किया गया है। साथ ही, एकल महिला कर्मचारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव 3 के स्थान पर 6 चरणों में स्वीकृत करना और कार्यस्थल पर बेहतर एवं तनावमुक्त वातावरण देने के लिए 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' स्थापित करना भी महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि शासन सचिवालय की कार्यकुशलता को और अधिक मजबूत बनाने के लिए 15 सहायक शासन सचिव, 67 सहायक अनुभाग अधिकारी तथा 67 लिपिक ग्रेड प्रथम सहित कुल 149 नए पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और विभागीय पदोन्नति के मार्ग भी अधिक सुगम बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बदलते समय के साथ प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी को मिशन कर्मयोगी की भावना के अनुरूप नई तकनीक, ई-गवर्नेंस और पेपरलेस व्यवस्था को अपनाकर प्रशासन को और अधिक दक्ष, पारदर्शी और जन-कल्याणकारी बनाना होगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि अपनी कार्यकुशलता, नवाचार और सेवा भावना से राजस्थान को सुशासन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर संवेदनशील फैसले लिए हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि समस्त कर्मचारी सरकार की भावना के अनुरूप जनहित की दिशा में पूर्ण समर्पण और निष्ठा के साथ काम करेंगे। इस अवसर पर राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कजोड़मल मीणा सहित बड़ी संख्या में सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पहली बार राज्य और जिला स्तरीय टेक्सटाइल निर्यात कार्ययोजना तैयार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विजन है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए प्रत्येक सेक्टर को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे निवेश के साथ युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के समुचित अवसर मिल सकें। इसी मंशा के अनुसार उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा सेक्टर आधारित करीब 15 नई नीतियां लागू की गई हैं। अब राजस्थान टेक्सटाइल एवं अपैरल नीति-2025 के बेहतर क्रियान्वयन के लिए एक राज्य स्तरीय डेडिकेटेड टेक्सटाइल सेल का गठन किया गया है। साथ ही, राज्य में पहली बार राज्य का तथा 11 जिलों के लिए जिला स्तरीय टेक्सटाइल एक्सपोर्ट एक्शन प्लान तैयार किया गया हैं। इसमें भारत सरकार द्वारा चयनित 7 चैंपियन जिले (अजमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जोधपुर एवं कोटा) और 4 एसपाइरेशनल जिले (श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर एवं चूरू) शामिल हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि यह सेल राज्य में टेक्सटाइल इकाइयों को प्रोत्साहित करने, नवीनतम तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए बहुआयामी प्रयास करेगी। इसमें औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा कर बाधाओं की पहचान, उद्योग विशेषज्ञों, उद्यमियों एवं निर्यातकों से संवाद, देश-विदेश के प्रमुख वस्त्र केंद्रों का अध्ययन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वस्त्र प्रदर्शनियों में भागीदारी शामिल है। साथ ही, टेक्सटाइल क्षेत्र से संबंधित समग्र डेटा का संकलन एवं विश्लेषण करेगी। इसी वर्ष अक्टूबर में एक दो दिवसीय टेक्सटाइल समिट का आयोजन भी प्रस्तावित है। सक्सेना ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक वस्त्र एवं परिधान निर्यात को 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

जोधपुर एयरपोर्ट का नवीन टर्मिनल हुआ संचालित, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम यात्री को किया रवाना

जयपुर/दक्षिण भारत । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 4 जुलाई को राष्ट्र को समर्पित किए गए जोधपुर एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल भवन से रविवार को नियमित विमान सेवाओं का शुभारंभ हो गया। नवीन टर्मिनल के संचालन के प्रथम दिवस पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम उड़ान के यात्री चंद्रवीर सिंह को टिकट एवं स्वागत किट प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस अवसर पर नवीन टर्मिनल पर प्रथम उड़ान से आने वाले सभी यात्रियों का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। लंगा-मांगणियार कलाकारों की मनमोहक लोक प्रस्तुतियों, बैंड बाजे की मंगलध्वनि तथा पुष्पगुच्छ के साथ यात्रियों का अभिनंदन किया गया। नवीन टर्मिनल परिसर में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण रहा। इस ऐतिहासिक अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने यात्रियों के साथ केक काटकर इस गौरवपूर्ण क्षण का उत्सव भी मनाया।मीडिया से संवाद करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से जोधपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण एवं नवीन टर्मिनल के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। अनेक चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद आज यह संकल्प पूर्णता तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से 4 जुलाई को लोकार्पित नवीन टर्मिनल से आज नियमित विमान सेवाओं का संचालन प्रारंभ होना जोधपुर एवं समूचे मारवाड़ क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन के अवसर पर किए गए वादे के अनुरूप 12 जुलाई से नियमित विमान सेवाएं प्रारंभ कर दी गई हैं। सूर्योदय के साथ ही नवीन टर्मिनल से परिचालन शुरू होना इस बात का प्रतीक है कि जोधपुर अब आधुनिक नागरिक उड्डयन सुविधाओं के नए युग में प्रवेश कर चुका है। नवीन टर्मिनल से यात्रा करने वाले यात्रियों के उत्साह और संतोष को देखकर यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि जोधपुर आने और यहां से जाने वाले प्रत्येक यात्री को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ शहर की समृद्ध संस्कृति एवं आत्मीयता का अनुभव होगा।

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत चिंताजनक : गहलोत

जयपुर। राजस्थान में प्रसूताओं की मौत के बढ़ते मामलों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि महिलाओं की मौतें बेहद भयावह और चौंकाने वाली हैं तथा यह राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में गहराते संकट को दर्शाती हैं। गहलोत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पिछले एक सप्ताह के दौरान राजस्थान के भीलवाड़ा और बांसवाड़ा जिलों के दो सरकारी अस्पतालों के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में शल्य चिकित्सा कराने वाली आठ महिलाओं और एक नाबालिग की मौत हो गई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने एक बयान में कहा, राज्य में प्रसूताओं की मौत के बढ़ते मामले बेहद भयावह, चौंकाने वाले हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में गहराते संकट को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, अब बांसवाड़ा में चार महिलाओं की मौत के बाद दो महीनों में 18 मौतों की खबरें सामने आई हैं। सरकार की जवाबदेही का अभाव स्थिति को और गंभीर बना रहा है। प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाते हुए गहलोत ने कहा कि सरकार इस संकट से निपटने में विफल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, इस संकट से निपटना, गर्भवती महिलाओं की जान बचाना और स्वास्थ्य व्यवस्था में लोगों का भरोसा बहाल करना इस सरकार की क्षमता से बाहर है। इसकी असंवेदनशीलता और जवाबदेही की कमी हालात को और खराब कर रही है। गहलोत ने कहा कि आगे और मौतों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैंने कल ही मांग की थी कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक टीम राजस्थान भेजी जाए। केंद्र सरकार को इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए, अन्यथा और लोगों की जान जा सकती है। इससे पहले बीकानेर, जोधपुर और कोटा के सरकारी अस्पतालों से भी प्रसूताओं की मौत के मामले सामने आ चुके हैं।

गलता जी मंदिर के बंदरों में चर्म रोग का कहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।। धार्मिक आस्था के चलते बंदरों को लड्डू, मिश्री, चूरमा और अन्य मीठे खाद्य पदार्थ खिलाने की परंपरा उनके लिए बड़ी बीमारी को न्योता दे रही है। जयपुर के प्रसिद्ध 'गलता तीर्थ' (गलता जी मंदिर) और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बंदर गंभीर चर्म रोग की चपेट में हैं। कई बंदरों के शरीर से चमड़ी उतर रही है, घावों से खून रिस रहा है और वे चलने-फिरने, कूदने तथा पेड़ों पर चढ़ने तक में असमर्थ हो गए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ समय से गलता तीर्थ और आसपास रहने वाले बंदरों में त्वचा संबंधी बीमारी तेजी से फैल रही है। संक्रमित बंदरों के शरीर से बाल झड़ रहे हैं, त्वचा फट रही है और हाथ-पैरों में गहरे घाव बन गए हैं। दर्द के कारण कई बंदर सामान्य रूप से चल भी नहीं पा रहे हैं और उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है।

वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अशोक तंवर ने 'पीटीआई-भाषा' बताया कि लाल मुंह वाले बंदर हाइपरकेरोटोसिस नामक बीमारी से ग्रसित हैं। यह बीमारी इंसानों में होने वाली गंभीर त्वचा शुष्कता जैसी स्थिति पैदा करती है। उन्होंने बताया कि बंदरों में यह बीमारी श्रद्धालुओं द्वारा उन्हें ज्यादा मीठा खिलाने से फैल रही है और इस तरह के मामले गलता तीर्थ के आसपास रह रहे बंदरों में ही देखे जा रहे हैं। तंवर ने बताया कि बंदरों की खानपान की आदत बदलने की वजह से यह बीमारी हो रही है। उन्होंने कहा कि चमड़ी में रुखापन आ जाता है और नमी की कमी से चमड़ी फटने लग जाती है।

उन्होंने कहा, यह बीमारी इलाज योग्य है। वर्ष 2020 से इस तरह के कई बंदरों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया है। तंवर ने कहा, लोग बंदरों को चना, मखाना और लड्डू जैसी चीजें खिलाते हैं। लगातार ऐसा भोजन मिलने से उनमें एलर्जी और त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा हो जाती है। उन्होंने कहा, यदि बंदरों को उनके प्राकृतिक भोजन और प्राकृतिक वातावरण में रहने दिया जाए तो अधिकांश मामलों में वे स्वतः स्वस्थ हो सकते हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि बंदरों का प्राकृतिक आहार कंद-मूल, फल, गाजर, मूली, पत्तियां और अन्य वनस्पतियां हैं, लेकिन धार्मिक भावनाओं के कारण लोग उन्हें प्रसाद और मीठे खाद्य पदार्थ खिला देते हैं। यही आदत उनके स्वास्थ्य पर गंभीर और दीर्घकालिक दुष्प्रभाव डाल रही है। विशेषज्ञों ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपील की है कि वे बंदरों को मीठा या पैकेट-बंद खाद्य पदार्थ बिल्कुल न खिलाएं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बंदरों का प्राकृतिक आहार इंसानों द्वारा दी जाने वाली प्रसंस्कृत और मीठी चीजों से बिल्कुल अलग है।

वन विभाग ने भी माना है कि गलता क्षेत्र के बंदरों में यह बीमारी फैल चुकी है। विभाग ने कई स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए हैं, जिनमें आगंतुकों से वन्यजीवों को भोजन न देने की अपील की गई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि बंदरों को पकड़कर उपचार करना आसान नहीं है, क्योंकि वे बेहद फुर्तीले होते हैं। ऐसे में नगर निगम की टीमें जाल की सहायता से संक्रमित बंदरों को पकड़कर जयपुर चिड़ियाघर पहुंचाएंगी, जहां वन्यजीव चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जाएगा।

क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि वन विभाग की ओर से समय-समय पर लोगों के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। उन्हें समझाया जाता है कि लंगूरों-बंदरों को मीठा, मखाने, मिठाई, केले ना दें। उन्हें उनके प्राकृतिक भोजन पर ही निर्भर रहने दें।

उन्होंने कहा, साथ ही हमने गलता तीर्थ और आसपास के क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाए हुए हैं, जिसमें लोगों को खाद्य सामग्री नहीं डालने को कहा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते लोगों की आदतों में बदलाव नहीं आया और बंदरों को प्राकृतिक आहार उपलब्ध नहीं कराया गया, तो यह बीमारी और अधिक फैल सकती है तथा बड़ी संख्या में बंदरों की जान पर खतरा मंडरा सकता है।

आरएसएस ने अयोध्या के राममंदिर में दानपेटी चढ़ावे की गिनती में अनियमितता की घटना पर दुख जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रविवार को अयोध्या के श्री रामजन्मभूमि मंदिर में दानपेटी चढ़ावे की गिनती में हुई कथित अनियमितता की घटना पर 'दुख' व्यक्त किया तथा भरोसा जताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की मौजूदा जांच और पुलिस कार्रवाई 'निर्णायक मोड़' पर पहुंचेगी। यह मुद्दा यहां आरएसएस की वार्षिक अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक के समापन दिवस के दौरान उठा। बैठक में संघ ने अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों और शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा जनसांख्यिकी असंतुलन से लेकर नशीली दवाओं के सेवन तक जैसे विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। आरएसएस ने एक बयान में कहा, बैठक में सभी ने श्री रामजन्मभूमि मंदिर में दानपेटी चढ़ावे की गिनती में हुई अनियमितता की घटना पर दुःख व्यक्त किया तथा विश्वास जताया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के निवेदन पर चल रही एसआईटी जांच एवं पुलिस कार्रवाई निर्णायक मोड़ पर पहुँचेगी।

संघ ने कहा कि उसे 'तीर्थ क्षेत्र न्यास' से यह अपेक्षा भी है कि 'वह यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो, जिससे राम मंदिर के प्रति सभी राम भक्तों की श्रद्धा और गहरी आस्था को ठेस पहुंचे। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी का मामला सात जून को सामने आया था।

उसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की थी, जिसकी प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई। मंदिर में चढ़ावा और गिनती प्रक्रिया से जुड़े आठ लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है और जांच जारी है।

यहां 10 से 12 जुलाई तक चली तीन दिवसीय बैठक आरएसएस सरसंघचालक मोहन भगवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित 226 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुई। बयान के अनुसार, बैठक में मार्च 2026 के बाद आयोजित प्रशिक्षण शिविरों की समीक्षा की गई। इसमें बताया गया कि देश भर में 83 'संघ शिक्षा वर्ग' और 12 'कार्यकर्ता विकास वर्ग' आयोजित किए गए, जिनमें कुल 18,842 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षण में रोज़ाना लगने वाली शाखा, संघ की कार्यपद्धति, ग्राम विकास, कुटुंब प्रबोधन, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण जैसे विषय शामिल थे। आरएसएस ने कहा कि शताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए संपर्क में आए लोगों को समाज सेवा और 'पंच परिवर्तन' पहल में सक्रिय रूप से शामिल करने की योजनाओं पर चर्चा की गई।

भागवत के 2026-27 के प्रस्तावित प्रवास कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई।बैठक में मौजूदा जनगणना से जुड़े मुद्दों, जनसांख्यिकी असंतुलन से पैदा होने वाली चुनौतियों, नशीली दवाओं के बढ़ते सेवन और नशा-मुक्ति की कोशिशों को प्राथमिकता देने की ज़रूरत पर भी चर्चा की गई। बयान में कहा गया है कि बैठक में संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती मनाने के कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कर्नाटक में अवैध रूप से रहने के आरोप में दो पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

चिक्कबल्लापुर । कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में राष्ट्रीयता से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र हासिल करने के आरोप में पाकिस्तान के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। चिक्कबल्लापुर के पुलिस अधीक्षक कुशल चौकसे ने एक बयान में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों-- फराह नाज और उसके बेटे मोहम्मद फरदीन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, विदेशी अधिनियम और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच चल रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उन्हें विश्वसनीय सूचना मिली थी कि दोनों पाकिस्तानी नागरिकों ने राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र हासिल कर लिये हैं। बयान के अनुसार, जांच में पता चला कि चिक्कबल्लापुर जिले के बागेपल्ली का मोहम्मद अयूब खान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में काम करता था और उसने वहां पाकिस्तानी नागरिक फराह नाज़ से शादी की थी।

अपने धर्म का दिखावा करने की कोई जरूरत नहीं है: अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को कहा कि एक सच्चा हिंदू सभी को समान मानता है, सभी को अपनाता है और किसी को ऊंचा या नीचा नहीं समझता। अन्नामलाई ने यहां के निकट पोल्लाची में अपने फाउंडेशन के पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें एक राष्ट्रवादी और भारतीय होने पर गर्व है। अन्नामलाई के नेतृत्व वाली 'वी द लीडर्स' फाउंडेशन ने यहां अपनी पहली रैली के लिए नशे के खिलाफ अभियान को अपना विषय चुना। उन्होंने कहा, ''मैं हिंदू हूं, लेकिन जब मैं घर से बाहर निकलता हूं, तो अपनी जाति और धर्म को अपने घर के अंदर ही बंद कर देता हूं। हर बार धर्म को उजागर करने और प्रदर्शित करने की कोई जरूरत नहीं है।''

अन्नामलाई ने कहा, ''सच्चा हिंदू सभी को समान मानता है। वह यह नहीं कहता कि कोई श्रेष्ठ है और कोई दूसरा कमतर है। वह कहेगा कि सभी को एक सीधी पंक्ति में साथ-साथ चलना चाहिए। यही मेरा हिंदू दर्शन है।''

हाल में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि 39 वर्ष से कम उम्र के लोगों ने सत्ता परिवर्तन किया। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर राज्य की सत्ता संभाली। टीवीके की स्थापना 2024 में हुई थी। अन्नामलाई ने दावा किया कि 2031 में जब अगला विधानसभा चुनाव होगा, तब इसी आयु वर्ग से जुड़े लोग बहुत बड़ा सत्ता परिवर्तन करेंगे।

उन्होंने कहा कि किसी को भी अभियान में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागीदारी किए गए काम के आधार पर स्वैच्छिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों के दौरान पर्यावरण समेत छह महत्वपूर्ण मुद्दों को जागरूकता पैदा करने के लिए उठाया जाएगा। नशा-रोधी जागरूकता सम्मेलन में छह प्रस्ताव पारित किए गए, जो मादक पदार्थों, शराब और इनके दुरुपयोग के खिलाफ थे। आयोजकों के अनुसार हर साल जुलाई को ''व्हाइट बैंड'' माह के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें नशे से दूर रहने और दूसरों को भी ऐसा करने में मदद करने का संकल्प लिया जाएगा। आक्रामक राजनीतिक शैली के लिए पहचाने जाने वाले अन्नामलाई ने हाल में भाजपा छोड़ दी थी और पोल्लाची सम्मेलन भाजपा से अलग होने के बाद उनका पहला बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम है।

भारत में सर्वाधिक विदेशी छात्र नेपाल से, कर्नाटक सबसे पसंदीदा राज्य: शिक्षा मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारत में पढ़ाई करने के लिए आने वाले विदेशी छात्रों में सबसे अधिक संख्या नेपाल के विद्यार्थियों की है और कर्नाटक विदेशी छात्रों का सबसे पसंदीदा राज्य है। शिक्षा मंत्रालय के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। वर्ष 2023-24 के लिए अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, इस शैक्षणिक वर्ष में भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में 173 देशों के छात्रों ने पढ़ाई की। देश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कुल 58,134 विदेशी छात्रों ने दाखिला लिया था। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के तहत देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों से वेब आधारित 'डेटा कैप्चर फॉर्मेट' (डीसीएफ) के जरिये विस्तृत जानकारी एकत्र की जाती है। संस्थान छात्रों के नामांकन, शिक्षकों एवं कर्मचारियों, बुनियादी ढांचे और परीक्षा परिणामों समेत अन्य विवरण सर्वेक्षण के पोर्टल पर अपलोड करते हैं।यह सर्वेक्षण भारत में उच्च शिक्षा से जुड़े आधिकारिक आंकड़ों का प्रमुख स्रोत है और इससे इस क्षेत्र में नीतियां बनाने, योजनाएं तैयार करने तथा उनकी निगरानी करने में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। वर्ष 2023-24 में विदेशी छात्रों में सबसे अधिक 24.1 प्रतिशत छात्र नेपाल से थे। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात से सात प्रतिशत, अमेरिका से 5.9 प्रतिशत, बांग्लादेश से 5.9 प्रतिशत, नाइजीरिया से 5.5 प्रतिशत और जिम्बाब्वे से चार प्रतिशत छात्र भारत आए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक विदेशी छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा राज्य रहा, जहां उच्च शिक्षण संस्थानों में 7,914 विदेशी छात्रों ने दाखिला लिया। इसके बाद पंजाब का स्थान रहा जहां 7,902 विदेशी छात्रों ने पढ़ाई की। महाराष्ट्र में 6,190, उत्तर प्रदेश में 5,953 और तमिलनाडु में 5,694 विदेशी छात्रों ने पढ़ाई की।

विदेशी छात्रों में सबसे अधिक 73.6 प्रतिशत ने स्नातक पाठ्यक्रमों जबकि 16.8 प्रतिशत छात्रों ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया। कुल 42,779 विदेशी विद्यार्थियों ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया। इनमें 27,849 छात्र और 14,930 छात्राएं थीं।

इसके अलावा, 9,845 छात्रों ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया और अपेक्षाकृत कम संख्या में विदेशी छात्रों ने डिप्लोमा, पीएचडी, प्रमाणपत्र और एकीकृत पाठ्यक्रमों की पढ़ाई की। भारत में विदेशी छात्रों की संख्या 2019-20 के 48,898 से बढ़कर 2023-24 में 58,134 हो गई। पांच वर्षों में इसमें 9,236 यानी 18.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इस दौरान छात्र और छात्राओं दोनों की संख्या बढ़ी। छात्रों की संख्या 32,386 से बढ़कर 37,295 हो गई, जबकि छात्राओं की संख्या 16,512 से बढ़कर 20,839 हो गई। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में लेबनान, बुर्किना फासो, मंगोलिया, मेक्सिको, कजाखस्तान, बेलारूस और चिली समेत कई अन्य देशों के छात्र भी भारत में पढ़ाई करने आए। शिक्षा मंत्रालय ने विदेशी छात्रों को भारत में उच्च शिक्षा के लिए आकर्षित करने के उद्देश्य से 2018 में 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम शुरू किया था।

औचक निरीक्षण के लिए बस में सवार हुए मंत्री, छुट्टे पैसे न होने पर परिचालक ने बाहर निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के परिवहन मंत्री बी. सुरेश को रविवार को व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान एक सरकारी बस के परिचालक ने छुट्टे पैसे न होने के कारण बस से उतरने के लिए कह दिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।ङ्ङबेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन परिवहन निगम (बीएमटीसी) का कर्मचारी मंत्री को पहचान नहीं पाया, क्योंकि उन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए मास्क लगा रखा था।

सूत्रों के अनुसार, मंत्री परिवहन विभाग के कामकाज की वास्तविक जानकारी लेने के लिए हेब्बाल से नागशेट्टिहल्ली जाने के लिए बस में सवार हुए थे।ङ्ङजब परिचालक टिकट देने के लिए उनके पास आया, तो सुरेश ने उसे 100 रुपये दिए।ङ्ङपरिचालक ने कहा कि उसके पास छुट्टे नहीं हैं और अगर यात्री को यात्रा जारी रखनी है तो उसे छुट्टे पैसे देने होंगे। सूत्रों ने बताया कि परिचालक ने ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने के लिए भी कहा, लेकिन मंत्री ने ऐसा करने में असमर्थता जताई।ङ्ङइसके बाद परिचालक ने अपना बैग भी दिखाया और बताया कि उसके पास छुट्टे पैसे नहीं हैं।ङ्ङसूत्रों ने कहा कि बाद में परिचालक ने सुरेश से बस से उतरने के लिए कहा और वह विनम्रतापूर्वक बस से उतर गए।

पार्श्व गायिका एस जानकी का पूरे राजकीय सम्मान के साथ मैसूरु में अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। दिग्गज पार्श्व गायिका एस जानकी का रविवार शाम को यहां कनियानहुंडी स्थित उनके फार्म हाउस पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनका सांस की तकलीफ के कारण शनिवार शाम को एक निजी अस्पताल में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की घोषणा के अनुसार, पुलिस की एक टुकड़ी ने राष्ट्रगान की धुन के बीच उन्हें बंदूकों की सलामी दी।

एस जानकी की पोती अप्सरा वैद्युला ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अपनी दादी की चिता को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं। उन्होंने हाथ में मिट्टी का घड़ा लेकर जलती हुई चिता की परिक्रमा की। पुरुषों तक ही सीमित रहने वाली रूढ़िवादी परंपरा को तोड़ते हुए अप्सरा ने इन सभी अंतिम रस्मों को पूरा किया। अप्सरा वैद्युला, जानकी के बेटे मुरली कृष्ण की बेटी हैं, जिनका इसी वर्ष 22 जनवरी को निधन हो गया था। इससे पहले, जानकी के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए महाराजा कॉलेज मैदान में रखा गया था, जहां कन्नड़ और दक्षिण भारतीय सिनेमा जगत के कई अभिनेताओं, अभिनेत्रियों और पार्श्व गायकों सहित हजारों आम लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राज्य सरकार की ओर से मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री यतींद्र सिद्दरामय्या भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित थे। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार जानकी की विरासत को अमर बनाने के तरीकों पर विचार करेगी। उन्होंने जानकी को भारत के संगीत जगत की महानतम विभूतियों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि वह उनकी इस संगीत विरासत को संजोने के उपायों पर फिल्म उद्योग के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगे। शिवकुमार ने कहा, भारत की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक और 'गाना कोगिले' (कोकिला) के नाम से मशहूर दिग्गज पार्श्व गायिका जानकी अब हमारे बीच नहीं रहीं। उन्होंने लगभग 50 वर्षों तक सभी भाषाओं में हमारे फिल्म उद्योग की सेवा की।

जानकी का जन्म 23 अप्रैल 1938 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर स्थित पल्लापटला में हुआ था, लेकिन बाद में उन्होंने मैसूरु को अपना घर बना लिया था। उनकी इच्छानुसार उनका अंतिम संस्कार इसी शाही शहर में किया गया।

अपनी बहुमुखी गायकी के लिए मशहूर जानकी ने कई भाषाओं में 48,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए, जिनमें मुख्य रूप से कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम जैसी दक्षिण भारतीय भाषाएं शामिल हैं। छह दशकों से अधिक लंबे करियर में उन्होंने हिंदी, ओडिया, तुलु, उर्दू, पंजाबी और बंगाली सहित लगभग 20 भारतीय भाषाओं में फिल्मों, एल्बमों, टेलीविजन और रेडियो के लिए गाने गाए।

अपने शिष्यों और प्रशंसकों के बीच 'जानकी अम्मा' के नाम से लोकप्रिय संगीत साधिका को 'गाना कोगिले' (कोकिला) का दर्जा प्राप्त था। जानकी ने अपने गायन करियर की शुरुआत 19 वर्ष की आयु में तमिल फिल्म 'विधियिन विलायट्टू' (1957) से की थी। यद्यपि वह अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी बेहद लोकप्रिय थीं, लेकिन माना जाता है कि जानकी ने अपने करियर में सबसे अधिक गाने कन्नड़ भाषा में गाए।

यदि विदेश में संपत्ति की बात साबित हो जाती है, मैं जेल जाने को तैयार हूं: द्रमुक नेता ए. राजा

तंजावुर/दक्षिण भारत। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता ए. राजा ने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे उनके परिवार के पास विदेशों में छिपाकर रखा गया एक भी डॉलर का काला धन ढूंढकर दिखाएं। उन्होंने कहा कि अगर ये दावे सच साबित होते हैं, तो वह जेल जाने को तैयार हैं। तमिलनाडु के कई दशकों के राजनीतिक इतिहास को याद करते हुए उन्होंने मौजूदा राजनीतिक विरोधियों और मीडिया द्वारा गढ़े गये विमर्श पर तीखा हमला किया एवं द्रविड़ शासन मॉडल का ज़ोरदार बचाव भी किया। पूर्व दूरसंचार मंत्री राजा ने कहा, मैं चुनौती देता हूं कि कोई भी व्यक्ति मेरे परिवार के नाम पर विदेश में छिपाया गया एक भी डॉलर ढूंढकर दिखा दे। अगर कोई इन मनगढ़ंत आरोपों को सच साबित कर सकता है, तो मैं तुरंत जेल जाने को तैयार हूं। दिल्ली की एक अदालत ने राजा को टूजी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में बरी कर दिया था।

राजा ने शनिवार रात एक जनसभा को संबोधित करते हुए द्रविड़ आंदोलन के दिग्गज नेताओं -ईवीके रामासामी पेरियार, सीएन अन्नादुरई और एम करुणानिधि- की विरासत का ज़क्र किया। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि जहां केंद्र के नेता हाल में गांवों में बिजली पहुंचाने का श्रेय लेते हैं, वहीं तमिलनाडु ने तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि के दूरदर्शी नेतृत्व में 1970-71 में ही गांवों में शत-प्रतिशत बिजली पहुंचाने का लक्ष्य हासिल कर लिया था।

'डी.के. शिवकुमार और उनकी पसंदीदा येज्डी रोडकिंग की कहानी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को 24 घंटे राजनीति में सक्रिय रहने वाला नेता माना जाता है, लेकिन एक चीज ऐसी है, जो आज भी उनके अंदर के लड़कपन को जगा देती है और वह है उनकी 'येज्डी रोडकिंग' मोटरसाइकिल की सवारी। शिवकुमार और इस पुराने दौर की मशहूर मोटरसाइकिल के बीच के इस लगाव का जिक्र रशीद किदवई की नयी किताब डी के शिवकुमार कांग्रेस क्राइसिस मैनेजर, कर्नाटक्स किंगमेकर में किया गया है। हैचेट इंडिया द्वारा प्रकाशित इस किताब के अनुसार, 1980 के आसपास जब शिवकुमार कॉलेज के छात्र थे, तब वह जोश से भरे, सक्रिय और नेतृत्व क्षमता वाले युवा थे। अपने दोस्तों और साथी छात्रों के बीच वह लोगों को संगठित करने के लिए जाने जाते थे। किताब में बताया गया है कि वह कॉलेज के अंदर और बाहर आसानी से लोगों को एकजुट कर लेते थे और स्वाभाविक नेतृत्व के साथ उनका मार्गदर्शन करते थे। यही गुण आगे चलकर उनके राजनीतिक जीवन में और मजबूत हुआ।

कॉलेज छात्रसंघ चुनावों में भागीदारी ने उनकी राजनीतिक समझ को और बेहतर बनाया। किताब के अनुसार, उन दिनों वह सीईए 7684 नंबर वाली येज्डी रोडकिंग मोटरसाइकिल चलाते थे। यह मोटरसाइकिल उनकी युवावस्था और आकर्षक व्यक्तित्व की पहचान बन गई थी। इसी मोटरसाइकिल से वह छात्रावासों, चुनाव प्रचार स्थलों और कॉलेज परिसर आते-जाते थे। किताब में कहा गया है कि पढ़ाई पूरी करने से पहले ही शिवकुमार को कांग्रेस का टिकट मिल गया, उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा, 1989 में विधायक बने और जल्द ही मंत्री भी बन गए।पुस्तक के अनुसार, जैसे-जैसे जिम्मेदारियां बढ़ती गईं, इस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल कम होता गया और शिवकुमार के सदाशिवनगर स्थित घर के एक कोने में पड़ी-पड़ी जंग खाने लगी। किताब में बताया गया है कि एक दिन शिवकुमार के करीबी दोस्त श्याम ने इस मोटरसाइकिल को देखा, पुरानी यादें ताजा होने पर उन्होंने शिवकुमार के करीबी राजशेखर से कहा कि वह इस मोटरसाइकिल को फिर से पहले जैसा बनाना चाहते हैं। पुस्तक के अनुसार, राजशेखर ने सहमति दी और पुरानी रोडकिंग को वहां से ले जाया गया।

पुस्तक में बताया गया है कि श्याम ने यह काम अपने परिवार के एक मित्र के बेटे सुप्रीत नाइक को सौंपा, जिन्हें पुरानी मोटरसाइकिलों का बहुत शौक था, लेकिन

मोटरसाइकिल को पहले जैसा बनाना आसान नहीं था, इसके लिए चेन्नई, मैसूर, मुंबई और यहां तक कि वियतनाम से भी पुर्जे मंगाने पड़े। पुस्तक के अनुसार, छह महीने तक ब्यातरायणपुरा और कत्रिगुप्पे के कुशल मिस्त्री लगातार मेहनत करते रहे, धीरे-धीरे रोडकिंग फिर से पहले जैसी बन गई। किताब में कहा गया है कि इसका इंजन फिर से अपनी पुरानी डुगु-डुगु-डुगु आवाज के साथ चलने लगा और मोटरसाइकिल वैसी ही चमकने लगी जैसी शिवकुमार अपने छात्र जीवन में चलाते थे। पुस्तक में कहा गया है कि तीन जून 2024 को जब शिवकुमार एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जेपी नगर पहुंचे, तब उन्हें पता नहीं था कि उन्हें क्या सरप्राइज दिया जाने वाला है। किताब में कहा गया है कि श्याम और सुप्रीत उन्हें बाहर लेकर गए, जहां पार्किंग में उनकी पूरी तरह से तैयार की गई येज्डी रोडकिंग चमक रही थी। किताब के अनुसार, शिवकुमार की आंखें चमक उठीं। उन्होंने मोटरसाइकिल के चारों ओर घूमकर उसे प्यार से छुआ और किक मारकर स्टार्ट किया। इंजन की आवाज सुनते ही वह मुस्कुराए, हल्का एक्सीलेटर दिया, तस्वीरें खिंचवाईं और कहा कि मोटरसाइकिल को उनके घर भेज दिया जाए।दो महीने बाद, एक सितंबर 2024 को यह मोटरसाइकिल उनके सदाशिवनगर स्थित घर पर उन्हें औपचारिक रूप से सौंप दी गई। पुस्तक में कहा गया है कि श्याम ने उन्हें दो तस्वीरें भी भेंट कीं, जिनमें से एक तस्वीर उनकी युवावस्था की थी, जिसमें वह इसी मोटरसाइकिल पर बैठे थे, और दूसरी तस्वीर नयी तैयार की गई मोटरसाइकिल के साथ खींची गई उनकी तस्वीर थी।

किताब में बताया गया है कि शिवकुमार ने फिर से मोटरसाइकिल स्टार्ट की, इस बार उनके चेहरे पर बच्चों जैसी खुशी थी, जिसे मीडिया ने कैमरों में कैद किया। महिंद्रा समूह के मालिक आनंद महिंद्रा ने भी सोशल मीडिया पर इस पहल की सराहना की। इसके बाद शिवकुमार ने अपने इंटीरियर डिजाइनर को निर्देश दिया कि घर के डाइनिंग हॉल में मोटरसाइकिल को परिवार की धरोहर की तरह प्रदर्शित करने के लिए एक खास जगह बनाई जाए। यह मोटरसाइकिल एक और खास मौके की गवाह बनी। उन्नीस अगस्त 2025 को यह रोडकिंग हेब्बल जंक्शन पर बने नए फ्लाईओवर की रैंप पर खड़ी थी, उस दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उस समय के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को इस फ्लाईओवर का उद्घाटन करना था। किताब में लिखा है, फीता काटने के बाद, शिवकुमार अपनी 40 साल पुरानी मोटरसाइकिल पर बैठे।

नये मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए अपने माता-पिता का एसआईआर विवरण देना होगा

नयी दिल्ली। मतदाता सूची में बने रहने के लिए सिर्फ उन मौजूदा मतदाताओं को ही अपने माता-पिता की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी जानकारी जमा नहीं करनी है जो पिछली एसआईआर प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाए थे, बल्कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के इच्छुक नए आवेदकों को भी ऐसा करना होगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने निर्देश जारी कर, मतदाता सूची में शामिल होने के लिए फॉर्म-6 भरने वाले नए मतदाताओं के लिए अपने माता-पिता का एसआईआर विवरण देना अनिवार्य कर दिया गया है। यह घोषणा पिछले साल जून में बिहार में शुरू किए गए एसआईआर में जोड़ी गई थी।

नए मतदाताओं को फॉर्म-6 के साथ यह घोषणा भी जमा करनी थी। अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि घोषणा को निर्देशों के जरिए जोड़ा गया था और फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एनआईए ने भाजपा युवा मोर्चा के नेता की हत्या के मामले में दो भगोड़ों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली/मंगलुरु। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2022 में कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेत्तारू की हत्या के मामले में दो भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नेत्तारू की प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि आंध्र प्रदेश पुलिस से मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर दो राज्यों में चलाए गए अभियान में, शनिवार को आरोपियों अब्दुल नासिर और नौशाद को क्रमशः केरल के कोच्चि और तमिलनाडु के होसुर से पकड़ा गया।

सुविचार

सफलता का रहस्य बड़े कदमों में नहीं, छोटे-छोटे निरंतर प्रयासों में छिपा होता है। हर दिन कुछ नया सीखें, हर चुनौती को अवसर समझें, यही प्रगति का मार्ग है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब बदलेगा यह ढर्रा?

कर्नाटक के परिवहन मंत्री बाइरत्ती सुरेश ने अपनी पहचान छिपाकर बीएमटीसी की 10 से ज्यादा बसों में सफर किया तो कई खामियां उनके सामने आईं। एक आम नागरिक सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में रोजाना ही अनगिनत समस्याओं का सामना करता है। वह उन्हें अपने जीवन का हिस्सा मान चुका है। यह स्थिति सिर्फ कर्नाटक में नहीं है। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में ऐसा ही हो रहा है। सार्वजनिक परिवहन हो या कोई भी सरकारी दफ्तर हो, वहां आम नागरिक समस्याओं से जूझता रहता है। इनका समाधान करने की फिक्र कम ही मंत्री करते हैं। यूं तो मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी जायजा लेने के लिए दौरे करते रहते हैं। इस तरह असल समस्याएं उनके सामने नहीं आती हैं। जैसे ही कर्मचारियों को पता चलता है कि मंत्री आ रहे हैं तो जगह की सफाई हो जाती है, साजो-सामान सलीके से रख दिया जाता है, जनता से विनम्रतापूर्वक बर्ताव शुरू हो जाता है। जब मंत्री चले जाते हैं तो वही पुराना ढर्रा लौट आता है। क्या यह स्थिति नहीं बदलनी चाहिए? स्वच्छता का पालन उस दिन ही क्यों हो? ऐसा हर दिन होना चाहिए। इसी तरह दफ्तरों में हर चीज हमेशा सलीके से रखी हो, जनता से रोजाना ही अच्छा बर्ताव होना चाहिए। बाइरत्ती सुरेश ने खुद देखा कि एक ड्राइवर ने यात्रियों के लिए बस नहीं रोकी। सोचिए, इस कर्मचारी ने अब तक कितनी बार ऐसा किया होगा? अगर कोई युवक इस विश्वास के साथ नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जाए कि बस से सही समय पर वहां पहुंच जाएगा तो उसके साथ क्या होगा? ऐसे ड्राइवरों को यात्रियों की परवाह नहीं होती है। एक कंडक्टर ने तो कमाल ही कर दिया। उसने मंत्री को बस से नीचे उतर जाने के लिए कहा, क्योंकि उनके पास छुट्टे पैसे नहीं थे! जब कर्मचारी इतना असंवेदनशील रवैया अपनाएंगे तो जनता का क्या होगा? वह किससे गुहार लगाएगी?

ऐसे कर्मचारियों के रवैए में बदलाव लाना जरूरी है। सरकार इन्हें बताए कि आपको जो वेतन मिल रहा है, वह जनता की सेवा करने के लिए मिल रहा है। सरकारी नौकरी का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि अपनी मर्जी चलाएंगे। बाइरत्ती सुरेश ने जो काम किया, वह इस देश के हर मंत्री को करना चाहिए। देश के पुलिस थानों में आम नागरिक के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है? सरकारी अस्पतालों में अच्छा इलाज मिलना कितना मुश्किल है? बैंक, डाकघर, बिजलीघर, नगर पालिका ... ऐसी कौनसी जगह है जहां लोगों के काम आसानी से हो रहे हैं? किस दफ्तर में आम नागरिक को यहां से वहां नहीं दौड़ाया जाता है? अगर मंत्री औचक निरीक्षण करें तो बहुत सुधार हो सकता है। दूर-दराज के इलाकों में कई सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षकों के वेतन-भत्तों पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं, लेकिन नतीजे निराशाजनक मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे बच्चों के वीडियो वायरल हो चुके हैं, जो पांचवीं या इससे बड़ी कक्षा में पढ़ते हैं और उन्हें दस तक पहाड़े नहीं आते हैं। यही नहीं, इन कक्षाओं के कई बच्चे किताब तक नहीं पढ़ पाते हैं। उन्हें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम मालूम नहीं हैं। अगर वहां के शिक्षा मंत्री हफ्ते में दो दिन स्कूलों के औचक निरीक्षण पर निकल जाएं, बच्चों से ऐसे सवाल पूछें तो एक ही साल में हालात बदल सकते हैं। यूं तो सभी जगहों पर सुधार की जरूरत है, लेकिन पुलिस थानों में विशेष सुधार होना चाहिए। आज भी आम नागरिक वहां जाने से डरता है। अगर रात को सुनसान सड़क पर पुलिस मिल जाए तो शरीफ आदमी के मन में कई आशंकाएं पैदा होने लगती हैं। हाल के वर्षों में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जब कुछ पुलिसकर्मियों ने अपने पद एवं शक्तियों का दुरुपयोग कर लोगों को सताया। ऐसे कर्मचारी सरकारी नौकरी में रहने के योग्य नहीं हैं। उन्हें तुरंत प्रभाव से बर्खास्त कर देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

सेक्रेटेरिएट परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मिले अपार स्नेह और प्यार के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का दिल से धन्यवाद! हमारी सरकार राज्य के मेहनती कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

-भजनलाल शर्मा

बीकानेर के किले, संस्कृति और अपनापन इसे राजस्थान के सबसे पसंदीदा टूरिज्म डेस्टिनेशन में से एक बनाते हैं। आज होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान ने हमारी हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में बेहतरीन काम करने वालों को सम्मानित किया, यह देखकर बहुत खुशी हुई ।

-दिया कुमारी

जोधपुर के एयरपोर्ट टर्मिनल की नई बिल्डिंग में पहुंचे यात्रियों का सम्मान और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह मॉडर्न टर्मिनल बिल्डिंग पश्चिमी राजस्थान के विकास, बेहतर एयर कनेक्टिविटी और इलाके की बढ़ती संभावनाओं का प्रतीक है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

असफलता प्रगति का साथी

तक्षशिला में एक छात्र निराश होकर चाणक्य के पास आया और बोला, 'आचार्य, मैं परिश्रम करता हूं, फिर भी आगे नहीं बढ़ पा रहा।' चाणक्य ने शांत स्वर में पूछा, 'क्या तुम बीज बोते समय प्रतिदिन मिट्टी खोदकर देखते हो?' छात्र ने कहा, 'नहीं, ऐसा करने से बीज नष्ट हो जाएगा।' चाणक्य बोले, 'पर तुम अपने प्रयासों को हर दिन संदेह से खोद देते हो।' छात्र चुप हो गया। चाणक्य ने आगे कहा, 'धैर्य वही शक्ति है जो अदृश्य परिश्रम को दृश्य सफलता में बदलती है।' छात्र ने झुककर पूछा, 'तो मुझे क्या करना चाहिए?' चाणक्य ने दृढ़ स्वर में कहा, 'कर्म करो, समय को अपना काम करने दो।' उस दिन छात्र समझ गया कि असफलता प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि उसका मौन साथी होती है, और जिसने धैर्य नहीं छोड़ा, वही अंततः इतिहास बनाता है।

सामयिक

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है।

यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज़न महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंडये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा।

सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है। यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति शृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों , सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के

एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है।

मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है। दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूज़ीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (ऋढ-) की वार्ताओं को मिली नई गति है। न्यूज़ीलैंड ने भारतीय सामानों, विशेषकर कृषि-प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी (खढ) सेवाओं के लिए अपने बाजारों में पूरी तरह से शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्रदान करने के रोडमैप पर सहमति जताई है। इसके बदले में भारत न्यूज़ीलैंड की उन्नत डेयरी तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और महासागर अनुसंधान की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकेगा। खेल, संस्कृति, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हस्ताक्षरित कई समझौता ज्ञापनों ने इस साझेदारी को केवल सरकारी गलियारों तक सीमित न रखकर जनता से जनता के जुड़ाव में बदल दिया है। इस त्रिकोणीय यात्रा के भू-राजनीतिक निहितार्थों को समझे बिना इसका मूल्यांकन अधूरा रहेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और कर्ज के जाल वाली कूटनीति के बीच, भारत ने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के साथ मिलकर एक वैकल्पिक, नियम-आधारित और पारदर्शी व्यवस्था का खाका खींचा है। भारत की यह कूटनीति किसी देश के विरोध में नहीं, बल्कि 'समावेशी और खुले हिंद-प्रशांत' के पक्ष में है। भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह वैश्विक मंच पर केवल एक दर्शक नहीं, बल्कि एजेंडा तय करने वाला देश है।

प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर से मिले 35 सर्वोच्च नागरिक सम्मान और इस दौरे के दौरान दक्षिण-पूर्वी एशिया व प्रशांत देशों में मिला अभूतपूर्व सम्मान यह दिखाता है कि भारत किस तरह 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन चुका है। भारत वैश्विक विनिर्माण और 5ऋ/6ऋ जैसी स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के दम पर दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, और यह दौरा उसी संकल्प को गति देने वाला ईंधन है।

संपादकीय दृष्टिकोण से देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीन देशों का दौरा भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' (डीींरींशसळल -ीींपें) और व्यावहारिक कूटनीति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। भारत ने एक ही यात्रा में रक्षा निर्यात के नए बाजारों को साधा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए यूरेनियम का इंतजाम किया और भविष्य के डिजिटल उद्योगों के लिए खनिजों की क्रेडिबल सप्लाई चेन तैयार कर ली। यह दौरा घरेलू राजनीति के संकीर्ण चश्मे से परे जाकर राष्ट्र-निर्माण के उस महायज्ञ का हिस्सा है, जहां विदेश नीति सीधे तौर पर देश के आम नागरिक के जीवन, रोजगार और सुरक्षा को प्रभावित करती है।

साबांग बंदरगाह से लेकर मेलबर्न के कॉर्पोरेट बोर्डरूम और ऑकलैंड के नीतिगत गलियारों तक, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी का भारत 'जियो-पॉलिटिक्स' और 'जियो-इकोनॉमिक्स' के वैश्विक रंगमंच पर एक नायक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अख़बारों के पन्नों पर इस यात्रा की सफलता को केवल तात्कालिक समझौतों के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम भारत के उस वैश्विक शिलान्यास के रूप में याद रखा जाएगा, जिसकी गूंज पूरे हिंद-प्रशांत महासागर में सुनाई दे रही है।

नजरिया

शेख हसीना की वतन वापसी के मायने

महेन्द्र तिवारी

शेख हसीना की प्रस्तावित वापसी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें साहस, जोखिम, राजनीति, न्याय और लोकतंत्र के अनेक आयाम एक साथ दिखाई देते हैं। आने वाले महीनों में पूरा दक्षिण एशिया इस घटनाक्रम पर नजर रखेगा। यदि यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रहती है तो बांग्लादेश विश्व समुदाय के सामने लोकतांत्रिक परिपक्वता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन यदि यह राजनीतिक टकराव में बदलती है तो इसका प्रभाव केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और कूटनीतिक समीकरणों पर भी पड़ेगा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर में स्वदेश लौटकर अदालत में आत्मसमर्पण करने की घोषणा ने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को नई चर्चा का विषय बना दिया है। यह केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री की घर वापसी का निर्णय नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की न्याय व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं, राजनीतिक संस्कृति और क्षेत्रीय कूटनीति की भी बड़ी परीक्षा बनने जा रहा है। जिस नेता ने लगातार सबसे लंबे समय तक बांग्लादेश की सत्ता संभाली, वही आज अपने ही देश में मृत्युदंड की सजा का सामना कर रही है और उसकी पार्टी अवामी लीग प्रतिबंधित है। ऐसे में उनकी प्रस्तावित वापसी कई राजनीतिक और संवैधानिक प्रश्नों को जन्म देती है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक विशेष साक्षात्कार में शेख हसीना ने कहा है कि वह अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ भारत में अपना निर्वासन समाप्त कर बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगी। उन्होंने कहा कि वह यह देखना चाहती हैं कि वर्तमान सरकार अपने सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कैसा व्यवहार करती है। उनके अनुसार यदि लोकतंत्र वास्तव में जीवित है तो राजनीतिक विरोधियों को न्यायपूर्ण सुनवाई और संवैधानिक अधिकार मिलने चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी गिरफ्तारी हो सकती है, यहां तक कि उनकी हत्या भी की जा सकती है, लेकिन इसके बावजूद वह अपने निर्णय से पीछे हटने वाली नहीं हैं।

शेख हसीना का यह निर्णय उस राजनीतिक घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में आया है जिसने वर्ष 2024 में पूरे बांग्लादेश को हिला दिया था। छात्र आंदोलन, व्यापक जन असंतोष और हिंसक घटनाओं के बाद उनकी सरकार सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद वह भारत आ गईं। बाद के महीनों में उनके विरुद्ध अनेक मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। उनकी पार्टी अवामी लीग की गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। अनेक नेता जेल भेजे गए जबकि कई अन्य भूमिगत होने या देश छोड़ने के लिए मजबूर हुए। बांग्लादेश की राजनीति में शेख हसीना का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वह केवल एक राजनीतिक दल की नेता नहीं हैं, बल्कि देश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की पुत्री होने के कारण राष्ट्रीय राजनीति में उनकी अलग पहचान रही है। उनके नेतृत्व में बांग्लादेश ने आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार, महिलाओं की भागीदारी, निर्यात वृद्धि और गरीबी उन्मूलन जैसे कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की। दूसरी ओर उनके शासनकाल पर विपक्ष को दबाने, चुनावी पारदर्शिता पर प्रश्न उठने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित करने और सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण जैसे आरोप भी लगते रहे। यही कारण है कि शेख हसीना का राजनीतिक व्यक्तित्व उपलब्धियों और विवादों दोनों का मिश्रण माना जाता है।

उनकी वापसी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वह न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने की इच्छा जता रही हैं। सामान्यतः जिन नेताओं के विरुद्ध इतने गंभीर आरोप हों और जिन्हें मृत्युदंड जैसी सजा सुनाई गई हो, वे निर्वासन में ही रहना पसंद करते हैं। इसके विपरीत शेख हसीना ने अदालत में आत्मसमर्पण करने की बात कहकर राजनीतिक संघर्ष को न्यायिक मंच पर ले जाने का संकेत दिया है। इससे उनकी समर्थक राजनीति को नया नैतिक आधार मिल सकता है। यदि उन्हें निष्पक्ष सुनवाई मिलती है तो वह इसे लोकतंत्र की जीत के रूप में प्रस्तुत करेंगी और यदि उनके साथ कठोर या पक्षपातपूर्ण व्यवहार होता है तो वह अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति अर्जित करने का प्रयास करेंगी।

वर्तमान बांग्लादेश सरकार के सामने भी यह स्थिति किसी परीक्षा से कम नहीं होगी। यदि सरकार कानून के अनुसार पारदर्शी प्रक्रिया अपनाती है तो उसकी लोकतांत्रिक साख मजबूत हो सकती है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप मजबूत होता है तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी आलोचना बढ़ सकती है। मानवाधिकार संगठनों, अंतरराष्ट्रीय मीडिया और विदेशी सरकारों की निगाहें इस पूरे घटनाक्रम पर बनी रहेंगी। इसलिए यह मामला केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक कूटनीति का विषय भी बनेगा। अवामी लीग के लिए भी यह घोषणा नई ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। पिछले दो वर्षों में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अनेक वरिष्ठ नेता जेल में हैं या सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे समय में यदि शेख हसीना स्वयं देश लौटती हैं तो कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ सकता है। हालांकि यह भी संभव है कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पार्टी फिर से नेतृत्व संकट का सामना करे। इसलिए वापसी जितनी राजनीतिक संभावना लेकर आ रही है, उतने ही जोखिम भी अपने साथ ला रही है। भारत के दृष्टिकोण से भी यह घटनाक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगस्त 2024 में सत्ता से हटने के बाद शेख हसीना ने भारत में शरण ली थी। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों को लेकर अनेक प्रकार की अटकलें लगाई गईं। बांग्लादेश की ओर से उनके प्रत्यर्पण की मांग भी समय समय पर उठती रही। यदि अब वह स्वेच्छा से अपने देश लौटती हैं तो भारत के लिए यह एक संवेदनशील कूटनीतिक विषय का शांतिपूर्ण समाधान साबित हो सकता है। इससे दोनों देशों के बीच भविष्य की बातचीत का वातावरण भी प्रभावित होगा।

दक्षिण एशिया की राजनीति में व्यक्तित्व आधारित नेतृत्व का प्रभाव लंबे समय से देखा जाता रहा है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश सभी देशों में ऐसे नेता रहे हैं जिनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता और राजनीतिक विरासत ने चुनावी राजनीति को गहराई से प्रभावित किया है। शेख हसीना की वापसी की घोषणा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। वह अपने समर्थकों को यह संदेश देना चाहती हैं कि संघर्ष से पीछे हटना उनके स्वभाव में नहीं है। यह संदेश राजनीतिक रूप से प्रभावी हो सकता है, विशेषकर उन लोगों के बीच जो मानते हैं कि उनके साथ अन्याय हुआ है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बांग्लादेश इस समय राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। नई सत्ता व्यवस्था अपनी वैधता मजबूत करने की कोशिश कर रही है, जबकि विपक्ष अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

ऐसे समय में किसी बड़े राजनीतिक नेता की वापसी से राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यदि विरोध प्रदर्शन, गिरफ्तारी या हिंसक घटनाएं होती हैं तो देश की स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वहीं यदि सभी पक्ष लोकतांत्रिक संयम का परिचय देते हैं तो यह संकट राजनीतिक संवाद का अवसर भी बन सकता है। शेख हसीना ने अपने साक्षात्कार में कहा है कि किसी राजनीतिक दल का भविष्य अदालतों या प्रतिबंधों से नहीं बल्कि जनता के निर्णय से तय होना चाहिए। यह कथन लोकतंत्र के मूल सिद्धांत की ओर संकेत करता है। किंतु इसके साथ यह भी उतना ही आवश्यक है कि कानून का शासन सभी पर समान रूप से लागू हो। यदि किसी नेता पर गंभीर आरोप हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच और पारदर्शी सुनवाई भी लोकतंत्र का ही हिस्सा है। इसलिए इस पूरे मामले में न्याय और राजनीति के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी। दिसंबर में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं तो वह क्षण केवल एक राजनीतिक घटना नहीं होगा बल्कि आधुनिक बांग्लादेश के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय बनेगा। इससे यह तय होगा कि देश प्रतिशोध की राजनीति की ओर बढ़ता है या लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती की दिशा में आगे बढ़ता है। यह भी स्पष्ट होगा कि क्या राजनीतिक मतभेदों का समाधान न्यायिक और संवैधानिक प्रक्रियाओं से संभव है या संघर्ष की राजनीति ही आगे भी हावी रहेगी।

शेख हसीना की प्रस्तावित वापसी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें साहस, जोखिम, राजनीति, न्याय और लोकतंत्र के अनेक आयाम एक साथ दिखाई देते हैं। आने वाले महीनों में पूरा दक्षिण एशिया इस घटनाक्रम पर नजर रखेगा। यदि यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रहती है तो बांग्लादेश विश्व समुदाय के सामने लोकतांत्रिक परिपक्वता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन यदि यह राजनीतिक टकराव में बदलती है तो इसका प्रभाव केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और कूटनीतिक समीकरणों पर भी पड़ेगा। इसीलिए शेख हसीना की वापसी का यह निर्णय एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लोकतांत्रिक भविष्य का भी महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'एक पेड़ मां के नाम' अब जन आंदोलन बन चुका है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद, गुजरात में वृक्षारोपण अभियान के तहत गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ मिलकर पौधा लगाते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भारत का हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जन आंदोलन बन चुका है और भावी पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखने की दृष्टि से यह बेहद महत्वपूर्ण है। शाह ने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के पौधारोपण कार्यक्रम और विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि वह 2029 तक अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में हरित आवरण 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा, कुछ ही समय में 1.25 करोड़ पेड़ लगाने का अभियान एक वास्तविक जन आंदोलन में बदल गया है और इसे लोगों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का हरित आवरण बढ़ाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' पहल शुरू की थी और यह जल्द ही जन आंदोलन बन गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने सात वर्ष में सात करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य शनिवार को पूरा किया। उन्होंने यह भी बताया कि दो दिन पहले दिल्ली रिज क्षेत्र में 43 लाख पेड़ लगाए गए।

शाह ने कहा, ये पेड़ स्थानीय पर्यावरण के अनुकूल हैं। इनका जीवनकाल कम से कम 100 वर्ष है। इसका मतलब है कि आने वाली पीढ़ियां, आपके पोते-पोतियां भी इनकी छाया में बैठ सकेंगे। बरगद और पीपल के पेड़ हजारों पक्षियों को आश्रय और भोजन प्रदान करते हैं तथा विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को आकर्षित करते हैं। शाह ने कहा कि उनके गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पहले 12 ऑक्सीजन पार्क थे। रविवार को 61 नए ऑक्सीजन पार्क का उद्घाटन किया गया जिससे इनकी कुल संख्या बढ़कर 73 हो गई। वहीं, अहमदाबाद नगर निगम ने एक ही दिन में 101 ऑक्सीजन पार्क का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा, जनभागीदारी के बिना गांधीनगर और अहमदाबाद को हरा-भरा नहीं बनाया जा सकता। शाह ने वाहनों और उद्योगों की बढ़ती संख्या से पैदा होने वाले खतरों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके कारण कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर बढ़ा है और ओजोन परत का क्षरण हुआ है, जिससे तापमान में वृद्धि और वर्षा में कमी आ रही है।

उन्होंने कहा, अगर हम अगली चार पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखना चाहते हैं तो ओजोन परत को और नुकसान से बचाना बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैं 2029 तक गांधीनगर का हरित आवरण 20 प्रतिशत बढ़ाने का संकल्प लेता हूं। पूरे संसदीय क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। इस अभियान के तहत आवासीय सोसाइटी में जहां भी खाली जगह मिले, वहां पेड़ लगाए जाने चाहिए।

इससे स्थानीय पर्यावरण में सुधार होगा। शाह ने कहा कि छतों पर सौर पैनल लगाने से तापमान कम करने और बिजली पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि इस दिशा में गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक काम किया गया है।

जश्न

कनाडा में फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल मैच में नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड की जीत और सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के फुटबॉल प्रशंसक।

भारतीय शादियों के लिए 2025 में श्रीलंका बना नया पसंदीदा गंतव्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विदेशों में होने वाली भारतीय शादियों के लिए 2025 में श्रीलंका सबसे तेजी से उभरते गंतव्य के रूप में सामने आया है और इसकी लोकप्रियता में 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया। वहीं, पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद वर्ष 2026 में भारतीय जोड़ों के अपनी विशेष समारोह की योजनाओं में बड़ी कटौती करने की संभावना कम है।

शादी की योजना बनाने वाले मंच 'वेडमीगुड' की 'डेस्टिनेशन वेडिंग रिपोर्ट 2026' के अनुसार, आसान पहुंच, भारत से नजदीकी, शानदार आतिथ्य सुविधाओं और यादगार अनुभवों वाले आयोजनों के कारण श्रीलंका तेजी से एक प्रमुख विवाह गंतव्य के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि आने वाले वर्षों में श्रीलंका में भारतीय शादियों की बुकिंग में सालाना 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, थाईलैंड अब भी भारतीयों के लिए सबसे लोकप्रिय विदेशी विवाह गंतव्य बना हुआ है। वर्ष 2025 में वहां करीब 25 लाख पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है।

यह रिपोर्ट 'वेडमीगुड' के उपभोक्ता और उद्योग नेटवर्क के माध्यम से किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें करीब 2.5 लाख उपभोक्ताओं और लगभग 24,000 शादी उद्योग से जुड़े पेशेवरों एवं सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया। शांगरी-ला कोलंबो और शांगरी-ला हंबनटोटा की क्षेत्रीय संचार निदेशक चेरंका मेंडिस ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि श्रीलंका अब केवल एक उभरता हुआ विकल्प नहीं रह गया है, बल्कि भारतीय जोड़ों के लिए एक प्रमुख कम दूरी वाले लक्जरी विवाह गंतव्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

वेडमीगुड के अनुसार, श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, श्रीलंका आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या वर्ष 2023 में 3,02,844 थी, जो 2024 में बढ़कर 4,16,974 हो गई और वर्ष 2025 में यह संख्या 5,30,000 से अधिक पहुंच गई। वेडमीगुड के अनुसार, श्रीलंका और थाईलैंड के अलावा इंडोनेशिया का बाली, वियतनाम और मलेशिया भारतीय शादियों के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गंतव्य रहे। भारत में विवाह आयोजनों के लिए देहरादून, मसूरी, ऋषिकेश, शिमला और जिम कॉर्बेट प्रमुख पांच स्थानों में शामिल रहे। इनके बाद उदयपुर, जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर और गोवा का स्थान रहा।

आईपीएल के आधार पर टीम का चयन नहीं करें : मांजरेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ब्रिटेन के दौरे में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मिली हार के लिए खिलाड़ियों को दोष देने के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़ी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया और कहा कि टीम का चयन आईपीएल के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। मौजूदा चैंपियन भारत के लिए यह दौरा निराशाजनक रहा। आयरलैंड से 0-2 से हारने के बाद उसे पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, विदेशी धरती पर मिली इस पराजय के लिए खिलाड़ियों को आसानी से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है लेकिन मुझे लगता है कि उन लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए जिन्होंने आईपीएल को बल्लेबाजों के लिए अनुकूल बना दिया है जिससे भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है।

उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं के लिए चुनौती यह है कि वे आईपीएल के प्रदर्शन के दबाव में आए बिना ऐसे बल्लेबाजों का चयन करें जो विदेशों में अच्छा खेल सकते हैं।

उन्हें ऐसे बल्लेबाजों की पहचान करके उन्हें ही भारत के लिए चुनना चाहिए। भारत को अब टी20 क्रिकेट में अपने अधिकतर मैच विदेशों में खेलने हैं। अब घरेलू क्रिकेट का मजा खत्म हो चुका है। आईपीएल की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती रही है कि उसमें बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिचें तैयार की जाती हैं जिससे 'पावर-हिटिंग' को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा आईपीएल में बाउंड्री भी छोटी होती हैं। 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम ने भी खेल को बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल बना दिया है।

मेस्सी या एमबाप्पे, हैरी केन या यमल : आप हैं किसकी टीम के साथ ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना या कीलियन एमबाप्पे की फ्रांस या फिर हैरी केन की इंग्लैंड ? फुटबॉल के महासमर से अगर आपकी पसंदीदा टीम बाहर हो गई है और आपको समझ में नहीं आ रहा कि सेमीफाइनल में किस टीम का समर्थन करें तो यह आपके लिये है । इसके लिये सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों के बारे में हम संक्षिप्त जानकारी दे रहे हैं ताकि आप खुद चयन कर सकें ।

अर्जेंटीना : स्टार खिलाड़ी : लियोनेल मेस्सी, नाम तो सुना होगा।

जानकारी : 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली टीम बनना चाहती है अर्जेंटीना । मेस्सी विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक 21 गोल कर चुके हैं और इस बार टूर्नामेंट में आठ गोल करके शीर्ष पर हैं । क्वार्टर फाइनल में अतिरिक्त समय में दो गोल करके अर्जेंटीना ने स्विटजरलैंड को 3 . 1 से हराया ।

नारा : वामोस, वामोस अर्जेंटीना ।

अर्जेंटीना को क्यो चुने : शर्तिया अच्छा प्रदर्शन, दस नंबर की जर्सी वाले (मेस्सी) का जादुई खेल ।

फ्रांस :स्टार खिलाड़ी : कीलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे

जानकारी : 2018 में चैम्पियन, 2022 में उपविजेता और इस साल की प्रबल दावेदार । विश्व कप के दिग्गज फ्रांस के कोच दिदियेर डेसचैम्प्स बतौर कप्तान 1998 में खिताब जीत चुके हैं जब जिनेदीन जिदान टीम में हुआ करते थे । वहीं 20 साल बाद बतौर कोच टीम को खिताब दिलाया ।

नारा : 'एलेज लेस ब्लूज '।

फ्रांस को क्यो चुने : अगर आपको गगनचुंबी इमारतें, शैंपेन, फैशन, फ्रेंच ब्रेड पसंद है । फुटबॉल में जबर्दस्त आक्रमण पंक्ति।

इंग्लैंड : स्टार खिलाड़ी : हैरी केन, जूड बेलिंगहम

जानकारी : इंग्लैंड फुटबॉल टीम ने 1966 विश्व कप के बाद कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है । इंग्लैंड ने फुटबॉल का अविष्कार किया लेकिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं ।'वाइकिंग रो' स्टार एर्लिंग हालैंड की नॉर्वे को हराकर अंतिम चार में पहुंची इंग्लैंड।

नारा : 'इटस कमिंग होम' । इंग्लैंड को क्यो चुने : बरसों की नाकामी का दर्द । इसके अलावा ब्रिटिश रॉकबैंड ओएसिस, शेर, मछली और चिप्स

स्पेन : स्टार खिलाड़ी : लमाइन यमल, रोड्री

जानकारी : स्पेन ने टूर्नामेंट में बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल तक एक भी गोल नहीं गंवाया । यमल जैसा विंगर टीम में है जिसके कमाल के प्रदर्शन से टीम ने 2024 में यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी । सोमवार को यमल का जन्मदिन है जब वह 19 साल का हो जायेगा ।

नारा : 'लोलोलोलो' । स्पेन को क्यो चुने : गेंद पर कमाल का नियंत्रण, जबर्दस्त विंगर और अगर आप स्पेनिश व्यंजनों के दीवाने हैं।

जिम छोड़ नरगिस फाखरी ने अपनाया पिलाटेस

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री और फिटनेस प्रेमी नरगिस फाखरी ने इस बार अपनी नियमित जिम वर्कआउट की जगह पिलाटेस सेशन को चुना। अभिनेत्री ने यह जानकारी सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों के साथ साझा की है। नरगिस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिलाटेस स्टूडियो से एक मिरर सेल्फी शेयर की। तस्वीर में वह पिलाटेस क्लास शुरू होने से पहले नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अब इस दमदार पिलाटेस क्लास को आजमाने जा रही हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो नरगिस फाखरी हाल ही में रिलीज हुई कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडिस, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे, निकितिन धीर और जॉनी लीवर सहित कई कलाकार दिखाई दिए।

यह फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री कॉमेडी है, जिसमें एक अरबपति की मौत के बाद उसकी संपत्ति पर दावा करने वाले कई लोगों की कहानी को एक लग्जरी क्रूज के बीच हास्य और रोमांच के साथ पेश किया गया है।

इसके अलावा नरगिस 'मस्ती 4' में भी नजर आई हैं। मिलाप जावेरी के निर्देशन में

बनी इस फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

नरगिस ने साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म 'रॉकस्टार' से बॉलीवुड में पहचान बनाई थी। इसके बाद वह 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'हाउसफुल 3' और हॉलीवुड फिल्म 'स्पाई' में भी नजर आ चुकी हैं।

वहीं, इसी साल उन्होंने दुबई में इजरायल-ईरान तनाव के दौरान चिंता और अनिद्रा से जूझने का अपना अनुभव भी सोशल मीडिया पर साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया था कि अनिश्चितता और तनाव के कारण उन्हें रातों में नींद नहीं आ रही थी और उनका मन लगातार बेचैन बना हुआ था।

गजराज राव ने राजेश रोशन से मुलाकात को बताया यादगार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता गजराज राव ने हाल ही में दिग्गज संगीतकार राजेश रोशन के साथ बिताई एक खास शाम की यादें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इस मुलाकात को उन्होंने अपने लिए बेहद सम्मान और सौभाग्य का पल बताया। वहीं, उन्होंने खास तौर पर पश्मीना रोशन का भी जिक्र करते हुए उनके अपनेपन भरे व्यवहार और गर्मजोशी के लिए आभार व्यक्त किया, जिसने इस खास शाम को और भी यादगार बना दिया। मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए गजराज राव ने लिखा, दिग्गज राजेश रोशन साहब से मिलना मेरे लिए वाकई सम्मान और सौभाग्य की बात थी। सर, आपका धन्यवाद कि आपने अनगिनत ऐसी अमर धुनें बनाई हैं, जो मेरे बड़े होने के सफर का हिस्सा रहीं। उन्होंने आगे कहा कि राजेश रोशन का संगीत आज भी उन्हें प्रेरित करता है और सुकून देता है। हालांकि, गजराज राव की इस भावुक पोस्ट में सबसे खास बात रही पश्मीना रोशन के लिए उनकी सराहना।

अभिनेता ने युवा अभिनेत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके खूबसूरत शब्दों, विनम्रता और मेहमाननवाजी ने इस मुलाकात में एक व्यक्तिगत और खास एहसास जोड़ दिया।

पश्मीना के गर्मजोशी भरे व्यवहार ने इस यादगार शाम को और भी खास बना दिया। पश्मीना रोशन ने फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह अक्सर अपने परिवार की समृद्ध सिनेमाई विरासत और उससे जुड़े अनुभवों के बारे में बात करती रही हैं।

गजराज राव की यह पोस्ट उस अपनत्व और खूबसूरत रिश्ते को दर्शाती है, जो संगीत, यादों और सिनेमा के प्रति साझा प्रेम से जुड़ा हुआ है। राजेश रोशन हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित संगीतकारों में से एक हैं, जिनकी सदाबहार धुनें आज भी कई पीढ़ियों के दिलों में बसी हुई हैं। गजराज राव की यह पोस्ट जहां एक ओर दिग्गज संगीतकार को श्रद्धांजलि देती है, वहीं दूसरी ओर पश्मीना रोशन के संवेदनशील और आत्मीय व्यवहार को भी उजागर करती है, जिसने इस मुलाकात को हमेशा के लिए खास बना दिया।

पुष्कर जोग ने यूके में अपनी नई हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई एक्टर पुष्कर जोग इन दिनों अपनी आने वाली हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग के लिए यूनाइटेड किंगडम में हैं, और इस बार कहानी में है प्यार भी और खतरा भी। पुष्कर ने सोशल मीडिया पर सेट से क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए इस नए सफर की शुरुआत की अनाउंसमेंट की। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, यूनाइटेड किंगडम में सेट अपनी अगली हिंदी हॉरर रोमांटिक ड्रामा फिल्म की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। यह एक ब्रिटिश इंडियन क्रॉसओवर फीचर फिल्म 'अंतराल' है, जिसमें मैं और रपळीररपळळरा हैं। इस फिल्म में पुष्कर जोग के साथ अनीसा बट नजर आएंगी। फिल्म को गूजबंप्स एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है, जबकि इसे ब्रिटिश इंडियन फिल्ममेकर तेजा सलादी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निखिल रानाडे संभाल रहे हैं।

भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचाने जाने वाले पुष्कर हमेशा ऐसे किरदार चुनते हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती दें, और 'अंतराल' भी उसी कड़ी की एक दिलचस्प नई पेशकश है। पुष्कर के इस नए अपडेट पर फैंस और इंडस्ट्री दोनों की तरफ से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। हर कोई इस फ्रेश और दिलचस्प फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। यूके में शूटिंग जारी है, और उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और भी रोमांचक डिटेल्स सामने आएंगी।

काजल अग्रवाल 'द इंडिया स्टोरी' के साथ तैयार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काजल अग्रवाल दर्शकों पर जादू चलाने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कोर्टरूम फिल्म करना चाहती थीं। फिल्म में आखिरकार ऐसा करने का मौका मिल ही गया। फिल्म में अभिनेत्री ने एडवोकेट अर्चना का रोल निभाया है। वह एक ऐसी वकील हैं जो एक आम नागरिक का साथ देती हैं। यह नागरिक उन ताकतवर कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ न्याय चाहता है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने का आरोप है। कोर्टरूम ड्रामा और इन्वेस्टिगेटिव कहानी के जरिए, यह फिल्म फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू करना चाहती है। उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से ङ्खङ्खबात की और बताया कि कैसे 'द इंडिया स्टोरी' ने कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा पूरी की।

उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ड्रामा लंबे समय से मेरी पसंद रहा है। मैं अच्छे, दमदार और चुनौतीपूर्ण कोर्टरूम ड्रामा की तलाश में थी। इस फिल्म के जरिए मेरी यह इच्छा पूरी हुई। लेकिन, एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि मुझमें काफी बदलाव आया है। मेरी परफॉर्मेंस में ग्रोथ और मैच्योरिटी भी आई है। मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं और कुछ पल ऐसे थे, जो बहुत असली लगे, जिनके लिए मुझे एक्टिंग करने या खुद को उस स्थिति में इमेजिन करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं असल में उस पल को जी रही थी। आंसू, भावनाएं और इमोशनल संघर्ष भी असली थे।उन्होंने कहा कि निराशा, सफलता, नुकसान और दुख, सबकुछ बहुत असली लगा। एक्टर के तौर पर, मुझे लगता है कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। जब आप यह भूल जाते हैं कि आप किसी चीज का हिस्सा हैं, तो आप बस 'होने' और किसी खास सीन में बस 'साथ-साथ रहने' के स्टेज पर पहुंच जाते हैं। और असल में होने या सच में मौजूद होने की कोशिश नहीं करते।'द इंडिया स्टोरी' में अभिनेता श्रेयस तलपड़े भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म पेस्टिसाइड के गलत इस्तेमाल, खाने में मिलावट और पब्लिक हेल्थ पर इनके असर के मुद्दों को दिखाती है। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जैन मिशन हॉस्पिटल में जेएमएच आयुर्वेद का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबलापुर। शहर के जैन मिशन हॉस्पिटल के नए ब्लॉक में जेएमएच आयुर्वेद' का उद्घाटन किया गया। यह जैन मिशन हॉस्पिटल और केरल के पुनरथम का एक संयुक्त प्रयास है। इस सेंटर का संचालन डॉक्टरों, थेरेपिस्ट और दवा विशेषज्ञों (ड्रगिस्ट) की आयुर्वेदिक टीम करेगी। पुलिस अधीक्षक कुशल चौकसी और चिक्कबलापुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि कुमार ने संयुक्त रूप से इस सेंटर का उद्घाटन किया। जैन मिशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश जैन और डॉ. महेश बिज्रेवारा इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए।

यह आयुर्वेदिक सेंटर पुरानी बीमारियों के आयुर्वेदिक इलाज के साथ-साथ कायाकल्प की सुविधाएँ भी प्रदान करेगा जिसमें न्यूरोलॉजी और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. नरपत सोलंकी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा सेंटर के बारे में जानकारी देते हुए सभी से विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए यहाँ की सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सचिव उत्तमचंद कोठारी, उपाध्यक्ष एलसी भंडारी, रमेश बंबोली, प्रकाश चोपड़ा और राकेश कोठारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मनीष खाड़ीवाला ने किया।

मानवता के मसीहा थे आचार्यश्री महाप्रज्ञ : थावरचन्द गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ मुनिश्री विनीत कुमार जी व पुनीत कुमार जी ने राजभवन में राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात की। इस मौके पर आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 10%वें जन्म दिवस अवसर पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने अणुव्रत आंदोलन, प्रेक्षा ध्यान और साहित्य जीवन विज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा दी।

वे मानवता के मसीहा थे। मुनिश्री विनीत कुमार जी ने कहा कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी का पूरा जीवन नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए समर्पित था। पुनीत कुमार जी ने कहा कि महाप्रज्ञजी युगदृष्टा और युगनिर्माता थे। उनका जीवन त्याग, तप और साधना का अनुपम उदाहरण है। इस मौके पर तेरापंथ समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

गुरुदेव आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर में रविवार को सिमंधरस्वामी व गुरुदेव राजेन्द्रसूरीजी की विशेष आरती क गई। इस अवसर पर पूजा करने आए 75 बच्चों का सम्मान किया तथा दिनेश कुमार हस्तीमल परिवार के सौजन्य से आरती मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया ने बच्चों को उपहार भेंट किए।

माहेश्वरी महिला मंडल का 'महिला संकल्प मेला 15 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 15 जुलाई को माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी संकल्प मेले का आयोजन किया जा रहा है। संगठन की अध्यक्षा विजयलक्ष्मी सारड़ा ने बताया कि महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के सपनों को नई उड़ान देने के उद्देश्य से आयोजित इस वर्ष मेले में लगभग %5 विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले में आभूषण में पारंपरिक बीकानेरी जड़ाऊ ज्वेलरी, बारीक नक्काशीदार लैब डायमंड ज्वेलरी आधुनिक ट्रेंडी परिधान और वस्त्र हस्तशिल्प और कलाकृतियां, राखी उपहार और सजावट के लिए कलात्मक वस्तुएं उपलब्धि रहेगी। इस प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सौम्या होला उपस्थित होंगी। संगठन की सचिव शोभा भूतड़ा ने बताया कि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही है और स्टॉल बुकिंग चालू है।

अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हनुमंतनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कत्रीगुप्पे में बनाए गए कन्या सुरक्षा सर्कल का मुनिश्री आकाश कुमार जी व मुनिश्री हितेंद्र कुमारजी ने अवलोकन किया तथा मंडल के कार्यों की सराहना की। महिला अध्यक्ष संगीता तातेड़ ने इस कन्या सुरक्षा सर्कल के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सभा के अनेक वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी उपस्थित थे ।

जीतो नॉर्थ के नए आधुनिक कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नए कार्यालय के मुख्य दानदाताओं व प्रायोजकों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन द्वारा नवीन एवं विश्वस्तरीय कार्यालय के निर्माण में योगदान देने वाले प्लेटिनम दानदाता, गोल्ड प्रायोजकों व सहयोगी संस्थानों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जीतो अपेक्स एवं केकेजी ज़ोन के पदाधिकारी, विभिन्न चैप्टर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे। चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी दानदाताओं व सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में जीतो एपेक्स के पूर्व चेयरमैन गणपत चौधरी, जीतो अपेक्स के महामंत्री ललित डांगी, केकेजी ज़ोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना, जीतो के पूर्व अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा, इंदरचंद बोहरा, नार्थ लेडीज़ विंग की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना, यूथ विंग के अध्यक्ष अनीश भोजानी, उपाध्यक्ष कमल पुनमिया, कार्यालय संयोजक रमेश बोहरा सहित अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित थे। कमल पुनमिया, तेजराज गुलेच्छा, केकेजी ज़ोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना ने इसे जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह कार्यालय आने वाले समय में नए नेतृत्व को जन्म देगा। जीतो अपेक्स के महामंत्री ललित डांगी ने कहा कि यह नया कार्यालय समाज की एकता, दानदाताओं की उदारता और संगठन की दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। अपेक्स के पूर्व चेयरमैन गणपत चौधरी ने कहा कि जीतो के इतिहास में बेंगलूरु नॉर्थ पहला ऐसा चैप्टर है जिसने इतने विशाल, आधुनिक एवं विश्वस्तरीय कार्यालय का निर्माण कर नया इतिहास रचा है।

समारोह के दौरान नूतन कार्यालय उद्घाटन समारोह में शामिल सभी अतिथियों व दानदाताओं का सम्मान किया गया। प्लेटिनम दानदाताओं में उद्घाटनकर्ता के रूप में आरके ग्रुप ऑफ कम्पनी के एसएम राजेन्द्र कुमार, अनीता, यश छाजेड़ व श्रेया जैन, ऑडिटोरियम प्रायोजक के रूप में माइक्रो लेब्स के भवरीबाई घेवरचंद, दिलीप आनंद सुराणा परिवार, लॉबी एवं बोहरा-कटारिया फूड कोर्ट हेतु बीजी भंवरलाल एंड सन्स के संघवी इंदरचंद रमेशचंद, मंगलचंद, प्रदीप एवं राहुल बोहरा तथा वैष्णोदेवी ग्रुप ऑफ कंपनी के मधु-विमल, कशिश-चिराग एवं यश कटारिया परिवार, एक्जीक्युटिव बोर्ड रूम हेतु मान्यता वालमार्क ग्रुप के संघवी शांतिदेवी पुखराज गुलेच्छा परिवार, चेयरमैन चेंबर हेतु ओसवाल मिनरल के श्रीपाल कुमार, विमलकुमार, सुभाषचंद, भरत कुमार एवं सिद्धार्थ खिंवेसरा , बोर्ड रूम हेतु आदिश्वर इंडिया लिमिटेड के संघवी पारसमल, निर्मलकुमार, गजेश एवं मानव भंडारी परिवार, एडमिन ब्लॉक हेतु एनवी एजेन्सी के सुरेखा-शैलेश, शेखा-रोहन एवं डोना-सिद्धार्थ हरन परिवार, मुख्य सचिव एवं कोषाध्यक्ष कक्ष हेतु साउंडग्लिट्ज़ के सिद्धार्थ, रचना, लाव्या-निकेत पटवा परिवार, डाइनिंग रूम हेतु गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज के हनुमानमल, संजय बैद, संघवी शांतिलाल एवं विकास बोहरा परिवार का सम्मान किया गया।

इसी के साथ नवीन कार्यालय के निर्माण में सहयोग देने वाले 60 परिवारों एवं संस्थानों का भी सम्मान किया गया। समापन अवसर पर मंत्री अशोक भंडारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

साधर्मिकों के उत्कर्ष के अधूरे सपने को पूरा करने आया हूँ : आचार्यश्री नित्यानंदसूरी

पद्मश्री नित्यानंदसूरी का भव्य रूप में हुआ नगर प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पद्मश्री से विभूषित आचार्यश्री नित्यानंद सूरीश्वरजी का 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बेंगलूरु में चातुर्मासार्थ नगर पदार्पण हुआ। रविवार को संतों का नगर प्रवेश कार्यक्रम तुमकूरु रोड़ स्थित नाहर विश्राम गृह में संपन्न हुआ। राजस्थान के नागौर से चातुर्मास सम्पन्न कर करीब 2500 किलोमीटर की सुदीर्घ पद विहार करते हुए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र के अनेक संघों को धर्मलाभ देते हुए कर्नाटक पहुंचे हैं। संतों के बेंगलूरु आगमन पर रविवार को नाहर विश्राम घर में नगर प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न संघों के पदाधिकारियों व सैकड़ों गुरु भक्तों ने उपस्थित होकर संतों को अपने अपने संघों में पधारने का निवेदन किया।

संतों के स्वागत में महिलाओं ने मंगल कलश धारण कर संतों का सामैया किया। आयोजक मदनलाल नाहर परिवार ने आचार्यश्री को काम्बली अर्पण की। प्रकाशचंद सिंघवी ने गुरु गुणगान किया। गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के कुमारपाल सिसोदिया ने उपस्थितजनों से 17 जुलाई को महावीर धर्मशाला वीवी पुरम में संक्रांति महोत्सव व 19 जुलाई को गोड़वाड़ जैन भवन में चातुर्मासार्थ प्रवेशोत्सव में पधारने का निवेदन किया। उन्होंने चातुर्मास प्रवेश की जानकारी देते हुए कहा कि प्रवेश महोत्सव पर सम्मिलित होने के लिए देशभर से आने वाले 800 से ज्यादा मेहमानों की रुकने की व्यवस्था हो चुकी है तथा चातुर्मास के दौरान चातुर्मास आराधना और तपस्या करने वाले आराधकों के लिए भी व्यवस्था की गई है।

गच्छाधिपति आचार्यश्री ने कहा कि समाज कल्याण और साधर्मिकों के उत्कर्ष के 23 साल पहले के मेरे अधूरे रहे सपने को पूरा करने मैं बेंगलूरु आया हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के तत्वावधान में मेरा सपना शीघ्र साकार होगा। गच्छाधिपति आचार्यश्री के शिष्य मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संत समाज को सही दिशा दिखाने का काम करते हैं। विलासिता और नशे की तरफ भटक रहे युवाओं को धर्म का सही मर्म बताकर उनकी ऊर्जा को देश, धर्म संस्कृति की रक्षा एवं जीवन निर्माण में लगाने हेतु संतों की प्रेरणा बहुत प्रभावशाली असर दिखाती है। इस बार शहर में आचार्यश्री की निश्रा में जप, तप, आराधना के साथ साथ जैन समाज के कल्याण हेतु कुछ ठोस तथा रचनात्मक कार्य भी होंगे। मुनिश्री ने कहा कि जैन धर्मावलंबियों को पंथ, गच्छ, संप्रदाय की संकीर्णता से ऊपर उठकर भगवान महावीर के झंडे के नीचे एक होना है। भले सब अपनी अपनी परम्पराओं का पालन करें किंतु भगवान महावीर के झंडे तले हम सब एक रहें। आचार्यश्री नित्यानंदजी वर्षों बाद आए हैं तो जो अहंकार का विसर्जन करके विनम्र बनेगा उस पर गुरु कृपा अवश्य बरसेगी। गोडवाड़ भवन ट्रस्ट समाज हित में गुरु वल्लभ के स्वप्नों को साकार कर रहा है ऐसे में गोडवाड़ भवन को वल्लभ तीर्थ' की उपमा भी दी जा सकती है। चातुर्मास के दौरान मंगलकारी शत्रुंजय महातप की 4 अगस्त से सामूहिक आराधना भी होगी।

चातुर्मास आयोजक समिति के विक्रम करबावाला, रमेशकुमार चांदावत, गौतम मेहता, प्रवीण चांदावत, अशोक करबावाला, नवरतनमल पुनमिया, विमल गांग, निर्मल धोका, हरीश सोलंकी, महीपाल सुराणा आदि ने आयोजक नाहर परिवार का सम्मान किया। इस मौके पर संगीतकार कमलेश एंड पार्टी ने भजनों कर प्रस्तुति दी। इस मौके पर आचार्यश्री के विहार कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

'सच्चा सुख तो वैराग्य और साधुपना में ही है'

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रजी का पदार्पण शूले में हुआ। इस मौके पर प्रवचन देते हुए जयधुरंधर मुनिजी ने कहा कि इस संसार में बिना पैसे के निर्धन दुखी हैं और धनवान, तृष्णा के कारण दुखी हैं। इस नश्वर संसार में कोई सुखी नहीं है। सच्चा सुख तो वैराग्य में और साधुपना में ही है। इस मौके पर शूले संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष निहाल कांकरिया सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ के महामंत्री सुनील कुमार मरलेचा ने बताया कि जय गच्छाधिपति पार्श्वचंदजी, पदममुनिजी आदि का अलसूर का चातुर्मासिक प्रवेश शूले से होगा।

चिकपेट आदिनाथ संघ में सादगी के साथ हुआ संतों का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री प्रेमभुवनभानुसूरीश्वरजी समुदाय के आचार्यश्री गुणरत्नसूरीश्वरजी, मुनिश्री हिरण्यरत्न विजयजी गणिवर्य श्री गुणहंसविजयजी म.सा. के सुशिष्य मुनिश्री भुवनभूषण विजयजी का चातुर्मास प्रवेश रविवार को बहुत ही सादगी से चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में हुआ। इस अवसर पर पंन्यास श्री जिनांगयशविजयजी भी उपस्थित थे। रविवार को सुबह नगरथपेट सर्कल में संतों का साम्मैया हुआ और थाली, डंका और शंखनाद की गूंज के साथ सादगी से चिकपेट मंदिर में चातुर्मास प्रवेश किया। आदिनाथ प्रभु के दर्शन और चैत्यवंदन के उपरांत सोहन हॉल में संतों का प्रवेश हुआ। मुनिश्री हिरण्यरत्नविजयजी ने मंगलाचरण किया।

मुनिश्री भुवनभूषणविजयजी ने श्री आदिनाथ प्रभु का परम उपकार मानते हुए सभी को चातुर्मासिक प्रवचनों में नियमित रूप से शामिल होने का आह्वान किया तथा अपने स्वभाव में सुधार लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि संघ के ट्रस्टीगण, कार्यकर्ता, युवक, महिला सभी मिलकर साथ दें तो इस चातुर्मास को हम सभी यशस्वी बनाएंगे। इस चातुर्मास दरम्यान प्रवचन श्री ऋषभदेव पर यानी युगादिदेव श्री आदिनाथ प्रभु के महान जीवन चरित्र पर होंगे। गणिवर्यश्री गुणहंसविजयजी ने कहा कि मोक्षसुख चाहिए तो विषय वैराग्य, कषाय त्याग, गुण अनुराग और क्रिया अप्रमाद करने ही होंगे। संघ के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**